

सवाल तो उठेंगे... इन आंदोलनों का पैसा कहां से आता है?

लोकतंत्र में विरोध का अधिकार जितना महत्वपूर्ण है, आंदोलनों की आर्थिक पारदर्शिता भी उतनी ही जरूरी है। सरकार की नीतियों के विरुद्ध आवाज उठाना नागरिक अधिकार है, लेकिन जब आंदोलन बड़े पैमाने पर आयोजित हों, महंगी यात्राएं हों, प्रचार अभियान चलें और राजनीतिक लामबंदी के लिए लगातार संसाधन जुटाए जाएं, तो एक सवाल स्वाभाविक रूप से उठता है- आखिर इन सबके लिए पैसा कहां से आता है?

कांग्रेस जनता पार्टी के अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका और सौरव दासगुप्ता जैसे लोगों की गतिविधियों को लेकर उठ रहे सवालों की जांच इसी कसौटी पर होनी चाहिए। यदि उनके खर्च, घोषित आय और संगठन के संसाधनों में कोई असंगति है, तो उसका हिसाब सामने आना चाहिए। क्या धन व्यक्तिगत योगदान से आ रहा है, किसी राजनीतिक दल से, कारोबारी समूहों से अथवा अन्य संस्थाओं से? क्या विदेश से कोई वित्तीय सहायता मिल रही है? इन प्रश्नों के उत्तर अटकलों से नहीं, बैंक खातों, वित्तीय दस्तावेजों और जांच एजेंसियों के प्रमाणित निष्कर्षों से

न्यूज विंडो

सीजेपी नेता सौरव-आशुतोष को दिल्ली पुलिस का समन

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने आज राजौरी गार्डन स्थित अपने ऑफिस में पेश होने के लिए समन भेजा है। कल दोनों नेताओं को दिल्ली की स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट कोर्ट से जमानत मिली थी। दोनों को 50-50 हजार रुपए के बॉन्ड पर रिहा किया गया। दिल्ली पुलिस ने 13 अक्टूबर को जंतर-मंतर पर प्रदर्शन के दौरान दोनों को हिरासत में लिया था। अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि सौरव और आशुतोष उनसे बेहतर और बड़े नेता हैं। अगर वे कुछ कहेंगे तो मैं उनकी बात मानूंगा।

विसर्जन के दौरान हाईर्टेशन लाइन की चपेट आने से दो की मौत

जबलपुर। दुर्गा माता की प्रतिमा विसर्जन करने के लिए जबलपुर के मझौली क्षेत्र के लोग के साथ बड़ा हादसा हो गया। हाईर्टेशन लाइन की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। वहीं आठ से ज्यादा लोग कर्ंट लगने से झुलस गए। घायलों को तुरंत एंबुलेंस की मदद से जबलपुर मेडिकल कॉलेज ले जाया गया। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस और स्थानीय लोगों ने मिलकर तुरंत घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल पहुंचाया।

फिर सरकार को घरेने की तैयारी इंडिया गठबंधन की बैठक आज

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिया गठबंधन आज शाम एक वर्चुअल बैठक करने जा रहा है। इसमें विपक्षी दल वोट चोरी के मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन की रूपरेखा तय करने और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग करने के तरीकों पर चर्चा करेंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। यहाँ 1 नवंबर को दिल्ली में होने वाली 'इंडिया' गठबंधन की रैली की तैयारियों की भी समीक्षा की जाएगी।

आज का कार्टून

10 में से 9 सर्व में पीछे, लोकप्रियता घटी

बाकी जगह हो ना हो मेरे यहां तो नहीं हो जाएगा **तख्ता पलट**



राहुल गांधी के सामने असली चुनौती

कांग्रेस का किसी आंदोलन को समर्थन देना या दूसरे संगठनों के साथ मंच साझा करना अपने-आप में किसी साजिश का प्रमाण नहीं है। लेकिन देश की सबसे पुरानी राष्ट्रीय राजनीतिक पार्टियों में से एक होने के नाते कांग्रेस की जिम्मेदारी भी बड़ी है। उसे स्पष्ट करना चाहिए कि वह किन मांगों का समर्थन करती है, आंदोलन की सीमाएं क्या हैं और हिंसा या गैरकानूनी गतिविधियों की स्थिति में उसका रुख क्या होगा। सवाल यह है कि क्या विपक्ष सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए आंदोलन कर रहा है, या उसकी राजनीति का केंद्र संवैधानिक संस्थाओं के प्रति अविश्वास को व्यापक बनाया जा रहा है?

सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों की आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है। निर्वाचन आयोग से जवाब मांगना भी आवश्यक है। लेकिन किसी निर्णय से असहमति और पूरी संस्था की वैधता पर प्रश्नचिह्न लगाने के बीच एक महीन रेखा है। यदि मकसद अनियमितताओं को उजागर करना है, तो उसे प्रमाणों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। और यदि किसी संगठन के वित्तपोषण या गतिविधियों में गैरकानूनी तत्वों के प्रमाण मिलते हैं, तो निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। लोकतंत्र में विरोध का अधिकार है, लेकिन जवाबदेही से मुक्ति का अधिकार किसी को नहीं।

मिलने चाहिए। किसी साधारण परिवार से आने वाले व्यक्ति का अमेरिका में पढ़ना या वहां से लौटकर राजनीति करना अपने-आप में स्पष्ट का विषय नहीं है। सवाल तब पैदा होता है, जब किसी संगठन के खर्च और उसके घोषित वित्तीय स्रोतों के बीच अंतर दिखाई दे। यदि जांच एजेंसियों के पास ऐसे प्रमाण हैं, तो उन्हें कानून के दायरे में सामने लाना चाहिए। गिरफ्तारी, राजनीतिक निकटता या जीवनशैली के आधार पर किसी को दोषी घोषित करना भी उचित नहीं है।

लेकिन, यह पृष्ठना बिल्कुल जायज है कि आंदोलनों के पीछे काम करने वाले संगठनों की आर्थिक जवाबदेही क्या है। रांका और दासगुप्ता की जमानत अर्जी के दौरान दिल्ली हाई कोर्ट के सवाल इतने तीखे थे की उनके वकीलों ने अर्जी वापस ले

ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने इस बात की कलई भी खोल दी 31 साल के रांका और 27 साल के दासगुप्ता तो जेन जी की श्रेणी में ही नहीं आते, फिर वे जानबूझकर प्रतिबंधित क्षेत्र में जाकर ही प्रदर्शन करने क्यों गए? जब उनकी जमानत अर्जी स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट की अदालत में सुनवाई के लिए लंबित थी तो सीधे हाई कोर्ट आने का क्या औचित्य है, जबकि उनके पास पहले जिला अदालत में अपील का अधिकार है? बहरहाल स्पेशल एग्जीक्यूटिव मजिस्ट्रेट ने उनका पुलिस रिमांड बढ़ाने की सरकार की अर्जी की दरकिनार करते हुए दोनों को सशर्त जमानत दे दी। अब गेंद दीपके एंड कंपनी के पाले में हैं कि तिरंगा उठाकर संविधान को चुनौती देने वाले ये सीजेपी नेता अगला क्या कदम

उठावेंगे। उधर, मुंबई में उद्धव ठाकरे ने फिर सत्ता परिवर्तन की दुहाई दी तो उनके नेता संजय राउत ने आग में घों डाले हुए कहा कि वियतनाम से राहुल गांधी के भारत लौटते ही देश में रिजीम चेंज हो जाएगा। इस बयान ने राहुल की इस यात्रा पर उठने वाले सवालों को और धार दे दी।

निर्वाचन आयोग ही कठघरे में क्यों?

विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की प्रक्रिया को लेकर निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाए जा रहे हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के विरुद्ध प्रदर्शन और उनके इस्तीफे की मांग इसी राजनीतिक टकराव का हिस्सा हैं। लेकिन चुनावी व्यवस्था की बुनियादी संरचना समझना भी जरूरी है। निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अंतर्गत मतदाता सूची का

पुनरीक्षण होता है, जबकि बूथ लेवल अधिकारी, जिला निर्वाचन अधिकारी और राज्य का प्रशासनिक तंत्र इस प्रक्रिया को जमीन पर अंजाम देते हैं। इसलिए यदि कहीं मतदाताओं के नाम गलत ढंग से हटाए गए हैं या किसी अन्य प्रकार की अनियमितता हुई है, तो शिकायतों की बूथ, जिला और राज्य स्तर पर प्रमाणों के आधार पर जांच होनी चाहिए। मतदाता सूची में गड़बड़ी का एक भी वास्तविक मामला गंभीर है। लेकिन कुछ त्रुटियों और पूरे देश में सुनियोजित वोट चोरी के आरोप के बीच अंतर करना भी आवश्यक है। केरल में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ की सफलता, तमिलनाडु में विजय की टीवीके का उभार और पश्चिम बंगाल में भाजपा की सत्ता में वापसी ने स्थापित राजनीतिक समीकरणों को चुनौती दी। इन नतीजों से यह जरूर स्पष्ट होता है कि भारतीय मतदाता अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीतिक विकल्प चुन सकते हैं। तब यह सवाल भी उठता है कि चुनावी हार का ठीकरा निर्वाचन आयोग पर फोड़ने से पहले राजनीतिक दल अपनी संगठनात्मक कमजोरियों, नेतृत्व और जनसमर्थन में आई गिरावट की समीक्षा क्यों नहीं करते? किसी शायर ने कहा है –

‘जिंदगी भर हम यही गुनाह करते रहे, धूल चेहरे पर थी और हम आइना साफ करते रहे।’

राजनीति में यह पंक्तियां तब सटीक बैठती हैं, जब आत्ममंथन के बजाय आरोपों को ही पराजय का उपचार बना लिया जाता है।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट का दावा...स्थानीय मुद्दों को हवा देकर असंतोष भड़काने की साजिश फ्रांस से भारत तक दंगे और प्रदर्शन 13 देशों के 101 संगठनों का सीक्रेट नेटवर्क!

नई दिल्ली/ वाशिंगटन डीसी, एजेंसी

दुनिया भर में भड़काने वाले हिंसक विरोध-प्रदर्शनों और जनांदोलनों के पीछे काम कर रहे एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट का पर्दाफाश हुआ है। फॉक्स न्यूज डिजिटल की एक विस्तृत खोजी रिपोर्ट में दावा किया गया है कि 13 देशों के 101 संगठन मिलकर एक सुनियोजित ‘ग्लोबल प्रोटेस्ट इकोसिस्टम’ चला रहे हैं। इस खुलासे के मुताबिक फ्रांस की सड़कों पर मंचे बवाल से लेकर भारत और अन्य मुल्कों में युवाओं के नेतृत्व में होने वाले बड़े आंदोलनों के तार आपस में सीधे जुड़े हुए हैं। यह नेटवर्क स्थानीय मुद्दों और जनआक्रोश को हवा देकर सीमाओं के पार अराजकता फैलाने और उसका दायरा बढ़ाने का काम कर रहा है।

फॉक्स न्यूज की खोजी पत्रकार असरा क्यू नोमानी की इस पड़ताल में उस अदृश्य तंत्र की परतें खोली गई हैं, जो पदों के पीछे से वैश्विक अशांति की स्क्रिप्ट तैयार करता है। इस सिंडिकेट में वामपंथी और समाजवादी संगठन, ट्रेड यूनियन, छात्र गुट, एडवोकेसी नेटवर्क और कुछ मीडिया संस्थान सक्रिय रूप से शामिल हैं। यह नेटवर्क अलग-अलग देशों के स्थानीय असंतोष को एक मंच पर लाकर उसे अंतरराष्ट्रीय रंग देने की रणनीति अपनाता है। रिपोर्ट के अनुसार एक देश में शुरू होने वाले विरोध-प्रदर्शन के संदेशों, नारों और एजेंडे को दूसरे देशों में तेजी से वायरल और संगठित करने में ये संगठन अहम भूमिका

निभाते हैं। जांच में यह भी बताया गया है कि अलग-अलग देशों की समस्याएं भले ही भिन्न हों, लेकिन उनके विरोध का तरीका, रैपिड और टाइमिंग बिल्कुल एक जैसी नजर आती है। यह पूरा ढांचा किसी सीमा में बंधा नहीं है, बल्कि एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क की तरह काम करता है जो दुनिया भर में सरकारों के खिलाफ असंतोष भड़काने और विरोध को खाद-पानी देने के लिए तालमेल बिठाता है।

नेविल रॉय सिंघम कनेक्शन

जांच का एक बड़ा हिस्सा उन संगठनों पर केंद्रित है, जिनका संबंध नेविल रॉय सिंघम से बताया गया है। अमेरिका में जन्मे टेक्नोलॉजी उद्यमी सिंघम शंघाई में रहते हैं और उनका नाता कम्युनिस्ट और समाजवादी समूहों के एक नेटवर्क से जोड़ा जाता है। जिन संगठनों का जिक्र किया गया है, उनमें बेकथू न्यूज, कोडपिक और पार्टी फॉर सोशलिज्म एंड लिबरेशन शामिल हैं। फॉक्स न्यूज का आरोप है कि इन समूहों ने रिपोर्टिंग, सोशल मीडिया अभियानों और राजनीतिक संदेशों के जरिए विरोध प्रदर्शनों को और व्यापक बनाने में मदद की है। जांच में ‘टाइकोनॉटनेल’ नामक एक रिसर्च इंस्टीट्यूट का भी जिक्र है, जिसका नेतृत्व विजय प्रशांत करते हैं। विजय प्रशांत ने 18 अक्टूबर को ट्विटर पर एक पोस्ट में पेरिस, नई दिल्ली और ब्यूनस आयर्स में हो रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच समानताएं बताईं।

भारत और फ्रांस कैसे जुड़े हैं?

फॉक्स न्यूज की जांच में ‘इंडियन अलायंस पेरिस’ (IAP) का जिक्र है। यह फ्रांस में स्थित छात्रों, शोधकर्ताओं और पेशेवरों का एक संगठन है, जो फ्रांस और भारत के विरोध-प्रदर्शनों के संदेशों को आपस में जोड़ने का काम कर रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, इस संगठन ने फ्रांस में हो रहे प्रदर्शनों को बढ़ावा दिया है। फॉक्स न्यूज द्वारा उद्धृत एक सोशल मीडिया पोस्ट में, इस संगठन ने दोनों देशों के युवा प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए लिखा: ‘जेन जी के लिए- फ्रांस में, भारत में... आज के लिए बहुत बढ़िया (Bravo)।’ रिपोर्ट में ‘प्रोग्रेसिव इंटरनेशनल’ की भूमिका पर भी प्रकाश डाला गया है। यह एक अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक संगठन है, जिसने 16 अक्टूबर की एक व्रीफिंग में फ्रांस, स्पेन, भारत और अल्बानिया में हो रहे विरोध-प्रदर्शनों को एक मंच पर लाने का काम किया।

न्यूजीलैंड से पहला टी-20: भारत ने चुनी गेंदबाजी

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच टी-20 मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला आज खेला जा रहा है। इस फॉर्मेट में आखिरी बार दोनों टीमों वर्ल्ड कप 2026 के फाइनल में भिड़ी थीं। तब भारत ने अहमदाबाद में 96 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया था। मैच में भारतीय ओपनर ईशान किशन के पास सूर्यकुमार यादव का रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है। वे 7 रन बनाते ही भारत के लिए एक साल में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे।

इंडिया केम-2026

मुंबई के बॉम्बे एग्रीबिशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय इंडिया केम-2026 के उद्घाटन सत्र में आज मुख्यमंत्री डॉ. मोहन दावद, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस शामिल हुए।

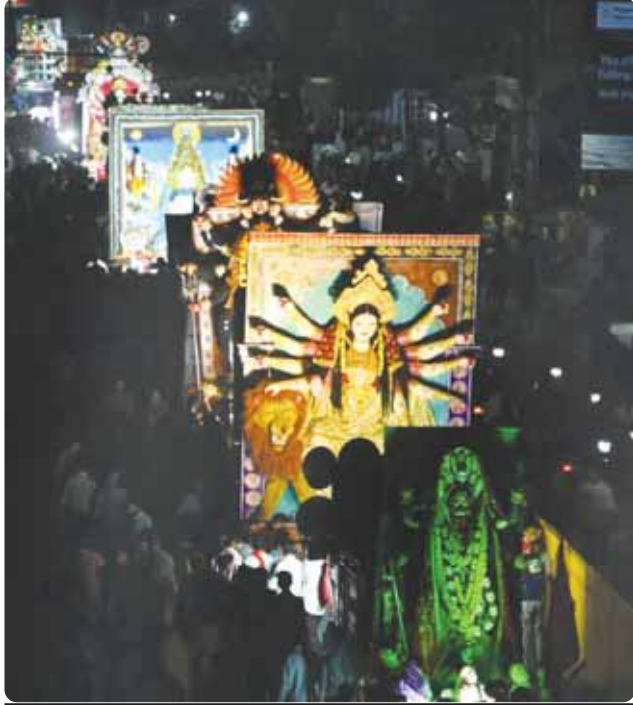
मेट्रो एंकर बढ़ती उम्र, डायबिटीज, मोटापा और शारीरिक निष्क्रियता से स्वास्थ्य सेवाओं पर बढ़ रहा दबाव फिजियोथैरेपी से निदान... दुनिया में बढ़ती इग्लेस चिकित्सा की दरकार

भोपाल। दुनिया की स्वास्थ्य व्यवस्था के सामने चुनौती अब केवल बीमारियों का उपचार करना नहीं, बल्कि लोगों को लंबे समय तक स्वस्थ, सक्रिय और आत्मनिर्भर बनाए रखना भी है। बढ़ती उम्र, मधुमेह, मोटापा, उच्च रक्तचाप, शारीरिक निष्क्रियता और सड़क दुर्घटनाओं से जुड़ी समस्याएं स्वास्थ्य सेवाओं पर दबाव बढ़ा रही हैं। ऐसे में फिजियोथैरेपी विभिन्न रोगों की रोकथाम और पुनर्वास का महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभर रही है। मांसपेशियों की शक्ति बढ़ाने, जोड़ों की गतिशीलता सुधारने, संतुलन बनाए रखने, लकवे के बाद कार्यक्षमता लौटाने और दुर्घटनाओं में घायल लोगों को सामान्य जीवन में वापस लाने में इसका महत्वपूर्ण योगदान है। बुजुर्गों की बढ़ती आबादी और उनकी आत्मनिर्भरता चुनौती बनती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023 के अनुसार, भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों की आबादी वर्ष 2022 में

लगभग 14.9 करोड़ थी। वर्ष 2050 तक इसके करीब 34.7 करोड़ होने का अनुमान है। उम्र बढ़ने के साथ मांसपेशियों की कमजोरी, जोड़ों में दर्द, संतुलन बिगड़ने और गिरने से चोट लगने का जोखिम बढ़ सकता है। ऐसे में फिजियोथैरेपी बुजुर्गों की कार्यक्षमता बनाए रखने और उन्हें यथासंभव आत्मनिर्भर बनाने में सहायक हो सकती है।

मधुमेह और मोटापा बढ़ा रहे ज़रूरत: द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में 2023 में

भारत में बढ़ती उम्र और बीमारियों का बोझ				
34.7	10.1	13.6	4,40,583	1,72,890
करोड़	करोड़	करोड़		
वर्ष 2050 तक भारत में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के लोगों की अनुमानित आबादी।	वर्ष 2021 में मधुमेह से प्रभावित लोगों की अनुमानित संख्या।	वर्ष 2021 में प्रीडायबिटीज से प्रभावित लोगों की अनुमानित संख्या।	वर्ष 2023 में भारत में दर्ज सड़क दुर्घटनाएं।	वर्ष 2023 में सड़क दुर्घटनाओं में हुई मौतें।
(संदर्भ: यूएनएफपीए की इंडिया एजिंग रिपोर्ट 2023, द लैंसेट डायबिटीज एंड एंडोक्राइनोलॉजी में प्रकाशित आईसीएमआर-इंडिया अध्ययन (2023), सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की रोड एक्सीडेंट्स इन इंडिया 2023 रिपोर्ट।)				
प्रकाशित आईसीएमआर-इंडियाब अध्ययन के अनुसार, वर्ष 2021 में भारत में लगभग 10.1 करोड़ लोग मधुमेह और 13.6 करोड़ लोग प्रीडायबिटीज से प्रभावित थे। मधुमेह के कारण नसों को नुकसान पहुँचने, पैरों में सुन्नपन, जलन और संतुलन बिगड़ने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। वहीं, मोटापा घुटनों और कूहों जैसे जोड़ों पर अतिरिक्त दबाव डालता है। व्यायाम कार्यक्रम मांसपेशियों की शक्ति, संतुलन और शारीरिक क्षमता सुधारने में मदद कर सकते हैं। हालांकि फिजियोथैरेपी मधुमेह की				
दवाओं, इंसुलिन, आहार प्रबंधन या चिकित्सकीय निगरानी का विकल्प नहीं है।				
हाई ब्लड प्रेशर स्ट्रोक का प्रमुख कारण है। स्ट्रोक के बाद कई मरीजों को चलने, संतुलन बनाने और दैनिक गतिविधियां करने में कठिनाई होती है। समय पर शुरू किया गया पुनर्वास उनकी कार्यक्षमता सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हालांकि हर बीमारी का उपचार केवल फिजियोथैरेपी से संभव नहीं है। ज़रूरत के अनुसार दवाओं, ऑपरेशन और अन्य चिकित्सकीय सेवाओं के साथ इसका समन्वय आवश्यक है।				



‘गच्छ गच्छ सुरश्रेष्ठे स्वस्थानं परमेश्वरि। पूजाराधनकाले च पुनरागमनाय च’

अर्थात्.. हे देवी! हे देवताओं में श्रेष्ठ परमेश्वरी! आप अपने दिव्य स्थान को प्रस्थान करें और जब मैं आपकी पूजा करूं तो आप पुनः पधारें



7000
से अधिक मूर्तियों का विसर्जन।

2000
मूर्तियों को दो दिन में दी गई विदाई।

200
से अधिक मूर्तियां चल समारोह में शामिल

न्यूज विंडो

आचार्यश्री की जयंती पर 26 को गुरु वंदना महोत्सव

भोपाल। आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज की 82वीं जयंती और शरद पूर्णिमा पर 26 अक्टूबर को रविन्द्र भवन के हंस ध्वनि सभागार में ‘गुरु वंदना महोत्सव’ होगा। यह 22 वर्षों से निरंतर हो रहा है। समिति के रवीन्द्र जैन ने बताया कि समारोह में बुंदेलखंड के गायक रोशन पटेल आचार्यश्री के जीवन पर आधारित गीतों की प्रस्तुति देंगे। साथ ही, तीर्थों की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने वाले वीरेश सेठ (दमोह) को ‘समाजरत्न’ और पवन जैन सुपर परिवार को पहला ‘समाजसेवा सम्मान’ (51 हजार रुपए व शॉल-श्रीफल) भेंट किया जाएगा।

कलियासोत मैदान पर हर्षोल्लास से संपन्न हुआ दशहरा उत्सव



हलालपुरा में आग बुझाने के भी इंतजाम नहीं, 13 शर्तों का पालन तक नहीं पटाखा बाजार में सुरक्षा गायब इमरजेंसी गेट पर लगा ताला

भोपाल। दोपहर मेट्रो

एक तरफ बारूद और आतिशबाजी का भारी भंडार, दूसरी तरफ आग बुझाने के नाकाफी इंतजाम। यहां दुकानों के बाहर तक पटाखों का ढेर, आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड भी गायब, आपात स्थिति में एग्जिट गेट पर भी ताला जड़ा हुआ है। रेत की बाल्टियां सिर्फ आधी भरी हुईं तो कहीं अग्निशमन यंत्रों की मौजूदगी के बावजूद सुरक्षा के दूसरे जरूरी इंतजाम नदारद मिले। एनजीटी के निर्देश और एसडीएम द्वारा तय किए सुरक्षा निर्देशों के बावजूद पटाखा बाजार में जमकर लापरवाही की जा रही है। दुकानों की भीड़ को नियंत्रित करने का उपाय नहीं है। बाजार के सामने वाहन खड़े हैं, जिससे मेन गेट पर निकलने के लिए जगह नहीं है।

एसडीएम ने निरीक्षण कर बाजार के पीछे इमरजेंसी एग्जिट गेट के निर्देश दिए थे। यहां गेट तो बनाया गया है, लेकिन इस दौरान गेट पर ताला जड़ा है। गेट के आगे दुकानदारों और ग्राहकों की दो पहिया गाड़ियां खड़ी हुई थीं। इतना ही नहीं, फायर ब्रिगेड भी गेट बंद होने के कारण बाजार के अंदर खड़ी होने की जगह बाहर खड़ी है। ऐसे में पटाखा बाजार में सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह गायब है। अफसरों ने कामजोर पर तो निर्देश जारी कर दिए, लेकिन हद यह है कि जमीन पर इसे अमल करवाने वालों ने देखने की जहमत तक नहीं उठाई।



13 शर्तें तय कीं, लेकिन देखने नहीं पहुंचे अधिकारी

बैरागढ़ एसडीएम रवीश कुमार श्रीवास्तव के आदेश में 15 आतिशबाजी दुकानों को जनसुरक्षा के लिए खतरा मानते हुए लोक न्यूसेंस घोषित किया गया है, हाईकोर्ट में स्टे के चलते बाजार को स्थानांतरित करने की कार्यवाही अटकी हुई है। तब तक कारोबारियों के लिए 13 सुरक्षा शर्तों का पालन अनिवार्य किया गया है। इसमें विस्फोटक संबंधी कानूनों का पालन, पर्याप्त और प्रमाणित अग्निशमन उपकरण, दुकानों के बीच निर्धारित दूरी, स्वीकृत सीमा में पटाखों का भंडारण सहित एनजीटी के निर्देशों का पालन शामिल हैं, लेकिन नियमों का पालन हो रहा है या नहीं इसे देखने के लिए कोई भी अधिकारी मौके पर नहीं पहुंचा। बता दें कि 12 जून 2026 की रात हलालपुर बाजार में सोनी पटाखा दुकान और गोदाम में भीषण आग लगी थी। नजदीक पेट्रोल पंप होने से खतरा और गंभीर हो गया था। तब सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठे थे।

पटाखा बाजार में ऐसा कोई इंतजाम नहीं

- आग बुझाने के इंतजाम नाकाफी, दुकानों के बाहर भी पटाखे रखे हैं।
- आग लगने की स्थिति में तत्काल उपयोग के लिए पर्याप्त पानी, रेत और अन्य जरूरी संसाधन नहीं।
- दीपावली के चलते भीड़ और वाहनों की पार्किंग से आपात स्थिति में दमकल के पहुंचने में दिक्कत होगी।
- बाजार की दुकानों में तय सीमा से अधिक पटाखों का स्टॉक दिख रहा है, गोदाम भी दुकान के पास ही बना रखे हैं, लेकिन जांच नहीं हुई है।

एडीएम सुमित पांडेय का कहना है कि पटाखा बाजार की शिफ्टिंग होना है, जो हाईकोर्ट के स्ट्रे के चलते नहीं हो पा रही है। जल्द ही अधिकारियों की टीम भेज कर पटाखा बाजार का निरीक्षण कराया जाएगा।

आईएसएस एसोसिएशन की मांग पर बनाई एसआईटी अब सीएम की बनाई टीम करेगी रिटायर्ड आईएसएस के हत्यारे की तलाश

भोपाल। दोपहर मेट्रो

रिटायर्ड आईएसएस अधिकारी राकेश अग्रवाल हत्याकांड की जांच के लिए पुलिस ने विशेष जांच दल का गठन किया है। रातीबड़ थाने में दर्ज अपराध क्रमांक 495/26 की गंभीरता को देखते हुए पांच पुलिसकर्मियों को जांच दल में शामिल किया गया है। दल को मामले की विवेचना आगे बढ़ाने और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए कार्यवाही करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब मध्यप्रदेश आईएसएस एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात कर मामले में एसआईटी गठित करने और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की थी। पुलिस आयुक्त के आदेश के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1), 127(2), 307 और 311 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है। पुलिस मुख्यालय से अनुमोदन के बाद

30 सितंबर को हुई थी हत्या

राकेश अग्रवाल का शव 30 सितंबर की सुबह रातीबड़ थाना क्षेत्र स्थित सूरजनगर के बंगले में मिला था। धारदार हथियार से गला रेतकर हत्या की गई थी। घर की अलमारियों के ताले टूटे मिले थे। घर से जेवररात, नकदी व मोबाइल फोन भी गायब था। पुलिस जांच में सामने आया था कि हत्या से महज दो दिन पहले, 27 सितंबर को पंजाब के नाभा निवासी वरुण कुमार को केयरटेकर के रूप में काम पर रखा गया था। वारदात के बाद से वह फरार है।

गठित विशेष जांच दल की अध्यक्षता पुलिस मुख्यालय में पदस्थ सहायक महानिरीक्षक (एआईजी) उमेश तिवारी करेंगे। दल में अपराध शाखा के सहायक पुलिस आयुक्त (एसपी) चंद्रभान सिंह चढ़ार, उपनिरीक्षक पारस सोनी, रातीबड़ थाने के उपनिरीक्षक ओपी रघुवंशी और अपराध शाखा के टेक्निकल सेल में पदस्थ आरक्षक निलेश वर्मा को शामिल किया गया है।

साप्ताहिक लघुकथा गोष्ठी में साहित्यकारों ने रचनाओं का किया जीवंत वाचन मैथिल ने बताया लघुकथा का मर्म, बोले-जब वेदना को छेदना हो, तब लेखक रचता है लघुकथा

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल। ‘लघुकथा समाज में व्याप्त विसंगतियों को सिर्फ उजागर ही नहीं करती, बल्कि उन पर तीखे प्रहार भी करती है।’ यह विचार वरिष्ठ साहित्यकार एवं समीक्षक धनश्याम मैथिल ‘अमृत’ ने व्यक्त किए। वे लघुकथा शोध केंद्र समिति, भोपाल के साप्ताहिक ‘बुधवारी लघुकथा गुगल गोष्ठी’ में मुख्य समीक्षक के रूप में बोल रहे थे। उन्होंने कहा, वरिष्ठ साहित्यकार अरुण डनायक की रचनाओं में विषयों की अद्भुत विविधता और प्रभावी भाषा-शिल्प का संगम दिखता है। कार्यक्रम का आगज मुजफ्फर इकबाल सिद्दीकी के स्वागत भाषण से हुआ। डॉ. ममता माली ने गोष्ठी को आगे बढ़ाया।

कथनी और करनी के अंतर को समझाया

लघुकथाकार अरुण डनायक ने अपनी कई वरिष्ठ रचनाओं का जीवंत वाचन किया। उनकी लघुकथा ‘राज दरबार में पंजाबत’ जैन-जी आंदोलन पर आधारित रही, तो ‘अपना-अपना यू.सी.सी.’ ने शासन की कथनी और करनी के अंतर को आईना दिखाया। वहीं, ‘टैक्सी ड्राइवर’ ने सरकारी भ्रष्टाचार की पोल खोली और ‘फिशिंग’ के जरिए बढ़ते साइबर

क्राइम के प्रति सचेत किया। इन दमदार रचनाओं पर समिति की निदेशक कांता रॉय, अवधेश तिवारी, डॉ. दिलीप बच्चानी और नितिन उपाध्याय सहित विद्वानों ने प्रभावी टिप्पणियां कीं। अंत में लेखक अरुण डनायक ने सभी का आभार जताया। इस डिजिटल गोष्ठी में देश-विदेश के कई दिग्गज साहित्यकार और पाठक जुड़े रहे।

कहीं सड़के चौड़ी करने तो कहीं चौड़ाई घटाने के सुझाव मास्टर प्लान: 2346 से ज्यादा दावे-आपत्तियां और सुझाव आए

भोपाल। दोपहर मेट्रो

भोपाल मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी होने के बाद दावे-आपत्तियां और सुझावों का सिलसिला जारी है। पिछले 20 दिनों में इनकी संख्या 2346 के पार पहुंच गई है। अब तक प्राप्त करीब 90 प्रतिशत आवेदन निर्माण कार्यों से जुड़े हैं। वहीं, शहर की हरियाली, वन क्षेत्रों और जल स्रोतों को अतिक्रमण से बचाने को लेकर अपेक्षाकृत कम सुझाव हैं। शुरुआत में बड़ी झील, केरवा और कलियासोत डैम के आसपास हुए अतिक्रमण हटाने के मांग प्रमुखता से उठी थी। बड़े तालाब के कैचमेंट में सड़क के प्रस्ताव का भी लोगों ने विरोध कर आपत्तियां दी हैं। हालांकि, ज्यादातर आवेदन प्रस्तावित निर्माणों और सड़कों के प्रावधानों में बदलाव को लेकर सामने आ रहे हैं।

दावे-आपत्तियां दर्ज करने के लिए पांच दिन बाकी

मास्टर प्लान को लेकर 25 सितंबर से दावे-आपत्तियां व सुझाव लेना शुरू किए गए थे। प्रक्रिया 25 अक्टूबर तक चलेगी। अनुमान है कि आखिरी पांच दिनों में 500 से अधिक नए दावे-आपत्तियां और सुझाव प्राप्त हो सकते हैं। टीएंडसीपी के संचालक कौशलेंद्र विक्रम सिंह का कहना है कि मास्टर प्लान के ड्राफ्ट पर अभी पांच दिन शेष हैं। अब तक कई लोगों ने कृषि भूमि पर सड़क निर्माण की अनुमति नहीं देने और कुछ क्षेत्रों में प्रावधानों में बदलाव करने की मांग की है। अंतिम तिथि तक मिलने वाले आवेदनों के आधार पर विचार होगा।

3,285 हाउस होल्ड का सर्वे पूरा शहर में 7.40 लाख मकानों को मिलेगी यूनिक डिजिटल पहचान

भोपाल। दोपहर मेट्रो

राजधानी में 7.40 लाख मकानों को यूनिक डिजिटल पहचान मिलेगी। विश्व सांख्यिकी दिवस पर शहर में जनगणना-2027 के तहत जुटाए जा रहे आंकड़ों को लेकर विशेषज्ञों ने बताया कि प्रथम चरण के तहत संपन्न 30 दिवसीय आवास गणना केवल एक पारंपरिक सरकारी प्रक्रिया नहीं रही, बल्कि इसने भविष्य के ‘स्मार्ट भोपाल’ की मजबूत नींव रख दी है। कर्मचारियों ने घर-घर जाकर चौक और मोबाइल ऐप के जरिए जो डेटा जुटाया है, वह हर मकान को दुनिया के नक्शे पर एक यूनिक डिजिटल आईडेंटिटी (डिजिटल एड्रेस) प्रदान करने का रहा है। आवास गणना के अंतिम आंकड़ों के अनुसार, भोपाल के कुल 3,285 हाउस होल्ड

7.40 लाख मकानों की डिजिटल मैपिंग

शहर में 7,40,923 जनगणना मकान दर्ज किए गए, जो अनुमानित लक्ष्य (7.38 लाख) से अधिक हैं। इनमें से 5,23,328 मकानों में लोग रह रहे हैं, जबकि कुल 5,39,320 परिवारों का प्रामाणिक डेटाबेस तैयार हुआ है। शहर में 1,18,159 मकान खाली पाए गए हैं और 7,622 मकानों में ताला लगा मिला। 1,08,991 भवनों का उपयोग व्यावसायिक या अन्य कार्यों के लिए हो रहा है।

ब्लॉक्स में शत-प्रतिशत सर्वे पूरा कर लिया है। ऐप से एकत्र यह रियल-टाइम डेटा भोपाल को डिजिटल शहर बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मेट्रो एंकर अंतरिम राहत...रियाज मंजिल पर बेदखली की कार्रवाई थमी

भोपाल। दोपहर मेट्रो

खानूजंग स्थित ऐतिहासिक रियाज मंजिल को लेकर शत्रु संपत्ति क्रमांक 42 की कथित शत्रु संपत्ति घोषित किए जाने के मामले में हाईकोर्ट ने प्रभावित पक्षकारों को अंतरिम राहत दी है। एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं को शत्रु संपत्ति अधिनियम, 1968 की धारा 18 के तहत 15 दिन के भीतर केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपील का हक दे दिया है। अपील के निराकरण तक बेदखली की कार्रवाई पर रोक लगा दी है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है कि संबंधित अधिकारी दोनों पक्षों को सुनने के बाद 60 दिन के भीतर निर्णय लेगा। यदि निर्णय प्रभावित पक्षकारों के विरुद्ध आता है, तो वे नियमानुसार सुप्रीम कोर्ट में अपील कर सकेंगे।

29 अप्रैल 2024 के प्रमाण पत्र पर उठाए सवाल

भोपाल विकास प्राधिकरण के आवंटित नवम ऑफिस टावर की संपत्ति बताने वाली रियाज मंजिल को लेकर आपत्तियां उठाई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने 29 अप्रैल 2024 को जारी किए गए शत्रु संपत्ति प्रमाण-पत्र की प्रामाणिकता और उसके आधार पर की गई कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने संबंधित कार्यालय से मूल फाइल, नोटशीट, प्रमाण-पत्र, स्वामित्व संबंधी दस्तावेज, जांच-सत्यापन रिपोर्ट और जिला प्रशासन के साथ हुए पत्राचार तलब करने की मांग की है। अदालत में यह भी दलील दी गई कि संबंधित संपत्ति को शत्रु संपत्ति घोषित करने के आधार को लेकर कई सवाल हैं। प्रकरण के मूल रिकॉर्ड के आधार पर प्रशासन को अपना पक्ष स्पष्ट करना होगा।

कैंपस को इंग-फ्री बनाने जागरूकता पर रहेगा फोकस मैनिट में बनी 45 सदस्यीय एंटी-इंग कमेटी, 22 छात्र प्रतिनिधि शामिल

भोपाल। दोपहर मेट्रो

मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) ने परिसर में नशे की रोकथाम के लिए 45 सदस्यीय एंटी-इंग कमेटी गठित की है। खास बात यह है कि समिति में 22 छात्र प्रतिनिधियों को शामिल किया गया है, ताकि नशे के खिलाफ अभियान में विद्यार्थियों की भागीदारी हो सके। समिति परिसर में नशीले पदार्थों के सेवन की रोकथाम के लिए प्रेरित करेगी। इसमें छात्रावासों के 15 वार्डनों के साथ सुरक्षा व चिकित्सा अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। समिति अध्यक्ष छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष डॉ. आरएन यादव को बनाया। छात्र परिषद अध्यक्ष डॉ. विलास वाडकर समन्वयक एवं

गर्ल्स-बॉयज हॉस्टल के वार्डन भी प्रतिनिधि

समिति में गर्ल्स और बॉयज हॉस्टल के मुख्य वार्डनों के अलावा एनएसएस और एनसीसी प्रतिनिधि भी शामिल हैं। यह समिति भारत सरकार के नशामुक्त भारत अभियान के तहत गठित की गई है।

सदस्य सचिव होंगे। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार अभियांत्रिकी विभाग के सह-प्राध्यापक डॉ. राहुल कुमार चौरसिया को सह-समन्वयक नियुक्त किया गया है।



आईटीबी एशिया-2026 में प्रदेश के पर्यटन पवेलियन का आकर्षक प्रदर्शन

सिंगापुर में छाया एमपी टूरिज्म का वैभव, सभी को लुभा रही गजक-रतलामी सेव

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, वन्यजीव, आध्यात्म और प्राकृतिक सुंदरता अब अंतरराष्ट्रीय पर्यटन बाजार में अपनी पहचान मजबूत कर रही है। सिंगापुर में आयोजित प्रतिष्ठित पर्यटन मेले 'आईटीबी एशिया-2026' में मध्यप्रदेश का पवेलियन विदेशी प्रतिनिधियों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यहां प्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों के साथ उसकी सांस्कृतिक विरासत, आध्यात्मिक परंपराओं और सतत पर्यटन की संभावनाओं को प्रदर्शित किया जा रहा है। विदेशी मेहमानों को वचुअल रियलिटी तकनीक के जरिए मध्यप्रदेश के पर्यटन स्थलों का अनुभव कराया जा रहा है। वहीं, मुरैना की प्रसिद्ध गजक और रतलामी सेव का स्वाद भी मेहमानों को आकर्षित कर रहा है। इस आयोजन के माध्यम से प्रदेश को

अंतरराष्ट्रीय पर्यटन मानचित्र पर प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित करने और विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ाने की कोशिश की जा रही है।

भारत के उच्चायुक्त ने किया पवेलियन का उद्घाटन- सिंगापुर के मरीना बे सैंड्स स्थित सैंड्स एक्सपो एंड कन्वेंशन सेंटर में मध्यप्रदेश पवेलियन का उद्घाटन सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पाका अंबुले ने किया। इस अवसर पर पर्यटन सचिव एवं मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड के प्रबंध संचालक डॉ. इलैयाराजा टी., विभागीय अधिकारी और वैश्विक पर्यटन उद्योग से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधि उपस्थित रहे। पवेलियन को प्रदेश की सांस्कृतिक विविधता, ऐतिहासिक धरोहर, वन्यजीव, आध्यात्म, स्वास्थ्य एवं आरोग्य पर्यटन और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन की अवधारणा के आधार पर तैयार किया गया है।



वर्चुअल रियलिटी से पर्यटन स्थलों का अनुभव

पवेलियन में आने वाले अंतरराष्ट्रीय आमंतुक वर्चुअल रियलिटी तकनीक के माध्यम से मध्यप्रदेश के प्रमुख पर्यटन स्थलों का आभासी अनुभव ले रहे हैं। इस पहल से विदेशी पर्यटकों को प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता, ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यटन की विविध संभावनाओं से परिचित कराने का प्रयास किया जा रहा है। पारंपरिक आतिथ्य सत्कार के तहत परोसी जा रही जीआई टैग प्राप्त मुरैना की गजक और रतलामी सेव भी प्रदेश की विशिष्ट पहचान को सामने रख रही हैं।

दक्षिण-पूर्व एशिया के कारोबारियों से संपर्क

तीन दिवसीय आईटीबी एशिया-2026 का आयोजन 23 अक्टूबर तक चलेगा। इस दौरान मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की टीम सिंगापुर और दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रमुख पर्यटन संचालकों, यात्रा एजेंटों और निवेशकों के साथ कारोबारी बैठक कर रही है। इन बैठकों का उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय यात्रा पैकेजों और पर्यटन योजनाओं में मध्यप्रदेश के प्रमुख स्थलों को शामिल कराने के साथ राज्य में पर्यटन निवेश की संभावनाओं को बढ़ावा देना है।

मुख्यमंत्री ने दीपावली सहित आगामी पर्वों के लिए जारी किए निर्देश

त्योहारों में लापरवाही पड़ेगी भारी, कलेक्टर-एसपी होंगे जिम्मेदार, कार्बाइड गन-अवैध पटाखों पर सख्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो

दीपावली सहित आगामी तीज-त्योहारों और सामाजिक-धार्मिक मेलों के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि त्योहारों के दौरान किसी भी जिले में अप्रिय स्थिति उत्पन्न हुई तो संबंधित कलेक्टर और एसपी जिम्मेदार माने जाएंगे। उन्होंने कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के इस्तेमाल पर सख्ती से रोक लगाने, पटाखों की अवैध बिक्री और प्रतिबंधित पटाखों के कारोबार पर कार्रवाई करने तथा खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री बुधवार को मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर-कमिश्नर और पुलिस अधिकारियों की समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी, महिलाओं की सुरक्षा पर जोर- मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी जिलों में संवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर निगरानी बढ़ाई जाए। सामाजिक और सांप्रदायिक तनाव की आशंका वाले स्थानों पर आवश्यक प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए। दीपावली के दौरान भीड़भाड़ वाले बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर संदिग्ध व्यक्तियों की गतिविधियों पर नजर रखने के साथ नियमित पुलिस गश्त सुनिश्चित की जाए। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने सभी विभागों को आमसी समन्वय के साथ सुरक्षा और आकस्मिक प्रबंधन की तैयारियां पहले से पूरी करने के निर्देश दिए।

मिलावटी मावा-मिठाई बेचने वालों पर सख्त एक्शन लेने के आदेश

महिलाओं की सुरक्षा और अग्नि दुर्घटनाओं से बचाव पर रहेगा विशेष ध्यान



पटाखा दुकानों का निरीक्षण, अवैध भंडारण पर कार्रवाई

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पटाखा दुकानों को लाइसेंस देते समय सभी निर्धारित शर्तों का पालन कराया जाए। दुकानों का भौतिक सत्यापन और नियमित निरीक्षण हो तथा विस्फोटक सामग्री का अवैध भंडारण पाए जाने पर तत्काल कानूनी कार्रवाई की जाए। प्रतिबंधित पटाखों की खरीद-बिक्री, भंडारण और उपयोग पर प्रभावी रोक लगाई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि छोटे व्यापारियों को अनावश्यक परेशान किए बिना जनसुरक्षा से जुड़े नियमों का सख्ती से पालन कराया जाए। कार्बाइड गन से आखों और चेहरे को खतरा- मुख्यमंत्री ने कार्बाइड गन और कार्बाइड लैंप के उपयोग पर

मिलावटी मिठाई बेचने वालों पर कार्रवाई

त्योहारों में खाद्य पदार्थों की मिलावट रोकने के लिए मुख्यमंत्री ने सघन जांच अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नकली या मिलावटी मावा, घी, पनीर और मिठाइयों की बिक्री नहीं होनी चाहिए। खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संदेह होने पर नमूने लिए जाए और आवश्यकतानुसार खाद्य पदार्थ जब्त किए जाएं। अस्वच्छ स्थानों पर खाद्य पदार्थ बनाने और बेचने वालों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा कानून के तहत कार्रवाई की जाए। हालांकि, जांच और जब्ती के नाम पर किसी को अनावश्यक परेशान नहीं किया जाए। बैठक में बताया गया कि मिलावट के मामलों में अब तक 17 लाइसेंस निलंबित किए गए हैं और 42 प्रकरणों में एफआईआर दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने जिलों में विशेष दल गठित कर कार्रवाई जारी रखने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, संजय कुमार शुक्ल, शिवशेखर शुक्ला और पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



ग्वालियर हादसे के पीड़ित परिवारों से मिले जीतू बोले-प्रशासन की लापरवाही और सरकार की राजनीतिक जिम्मेदारी तय होनी चाहिए

ग्वालियर, दोपहर मेट्रो

नवरात्रि के दौरान ग्वालियर स्थित शीतला माता मंदिर में हुए भीषण हादसे को लेकर सियासत तेज हो गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ग्वालियर जाकर जहां पीड़ित परिवारों से मुलाकात उन्हें ढांढस बंधाया। वहीं शासन-प्रशासन दोनों को आड़े हाथ लिया है। पटवारी ने प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाते हुए कलेक्टर और एसपी को अब तक पद पर बनाए रखने पर सवाल उठाए। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने सरकार से हादसे की जिम्मेदारी तय करने और प्रशासनिक जवाबदेही सुनिश्चित करने की मांग की। पत्रकारों से चर्चा के दौरान जीतू पटवारी ने सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लगातार ऐसे हादसे हो रहे हैं, जिनमें लोगों की जान जा रही है, लेकिन सरकार राजनीतिक जिम्मेदारी लेने से बचती है। इस सरकार में लगातार सामूहिक हत्याएं क्या होती है इसका विश्व रिकॉर्ड बना दिया है।

26 बच्चों की कफ सिरप की वजह से सामूहिक मौत हुई थी, फिर सागर में जहरीली शराब कांड में लोगों की मौत हुई, किसी भी जिले के कलेक्टर एसपी की उसके पहले भिंड में 15-17 लोग जहरीली शराब से मर गए थे। फिर इंदौर में जहरीले पानी से 36 लोगों की हत्या कर

ग्वालियर कलेक्टर- एसपी की जवाबदेही पर सवाल

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि इंदौर में ट्रक से हुए हादसे के बाद यह बात कही गई थी कि ऐसी घटना किसी जिले में होने पर कलेक्टर और एसपी पद पर नहीं रहेंगे। इसके बावजूद ग्वालियर में इतने बड़े हादसे के बाद भी संबंधित अधिकारियों के पद पर बने रहने पर उन्होंने सवाल उठाए। पटवारी ने कहा कि मुख्यमंत्री का ग्वालियर आना और अन्य नेताओं का पीड़ितों के बीच पहुंचना पर्याप्त नहीं है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि हादसे के लिए जिम्मेदार कौन है और जवाबदेही किसकी तय की गई है। पटवारी ने कहा कि प्रशासनिक लापरवाही के मामलों में राजनीतिक नेतृत्व अपनी जिम्मेदारी से पीछे नहीं हट सकता। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में जिम्मेदारी तय करने के बजाय एक-दूसरे पर आरोप लगाए जाते हैं, जिससे जनता को राहत और न्याय मिलने में देरी होती है।

दो गई और अब एक्सीडेंट से मौते हुई। इंदौर में एयरपोर्ट रोड पर हादसा हुआ इसको लेकर एडवाइजरी जारी हुई थी, किसी भी जिले के कलेक्टर एसपी की जिम्मेदारी होगी, यदि कोई इस तरह का हादसा होता है, तत्काल कलेक्टर एसपी को पद मुक्त किया जाएगा।

आठ साल से अटकी कैशलेस इलाज की सुविधा बुजुर्ग पेंशनरों ने सरकार से लगाई गुहार, गंभीर बीमारियों के महंगे उपचार से राहत देने की मांग

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के बुजुर्ग पेंशनरों के लिए आठ वर्षों से लंबित कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने की मांग तेज हो गई है। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, अपर मुख्य सचिव, वित्त विभाग और लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिखकर योजना पर शीघ्र निर्णय लेने का, आग्रह किया है। एसोसिएशन का कहना है कि सेवानिवृत्ति के बाद सीमित पेंशन में जीवनयापन करने वाले बुजुर्गों के लिए गंभीर बीमारियों का महंगा इलाज कराना मुश्किल होता जा रहा है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने कहा कि



पेंशनरों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय प्रदेश और देश की सेवा में लगाया है। सेवानिवृत्ति के बाद कई बुजुर्ग हृदय, किडनी सहित अन्य गंभीर बीमारियों से जूझ रहे हैं। नियमित अन्य गंभीर बीमारियों में भर्ती और महंगी दवाओं का खर्च उठाना उनके लिए चुनौती बन गया है। आर्थिक तंगी के कारण कुछ पेंशनरों को इलाज के लिए कर्ज लेना पड़ता है, जबकि कई बार

सम्मानजनक जीवन के लिए बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं जरूरी

एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी ने कहा कि वृद्धावस्था में सुलभ और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं सम्मानजनक जीवन की बुनियादी जरूरत हैं। शासन की व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने में योगदान देने वाले कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के बाद भी उचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। सरकार को इस दिशा में संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेना चाहिए।

मेट्रो एंकर 20 नवंबर तक सभी शासकीय अनुमतियां पूरी करने के निर्देश , 305 करोड़ होंगे खर्च

भोपाल में बनेगा देश का पहला बिजली नियंत्रण परिसर

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के एयरोसिटी क्षेत्र में देश के बिजली तंत्र से जुड़ी एक महत्वपूर्ण परियोजना आकार लेने जा रही है। यहां ग्रिड कंट्रोल ऑफ इंडिया लिमिटेड (ग्रिड इंडिया) के कंट्रोल सेंटर कॉम्प्लेक्स ऑफ वेस्टर्न रीजन का निर्माण करीब 305 करोड़ रुपये की लागत से किया जाएगा। इस परिसर से देश के पश्चिमी क्षेत्र के बिजली ग्रिड को नियंत्रित किया जाएगा। इसे देश में अपनी तरह का पहला नियंत्रण केंद्र परिसर बताया जा रहा है। परियोजना के पूरा होने से बिजली ग्रिड के संचालन और नियंत्रण के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त एकीकृत केंद्र विकसित होगा। इसका निर्माण भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।



20 नवंबर तक पूरी करनी होंगी सभी शासकीय अनुमतियां- परियोजना को समयसीमा में शुरू करने और निर्माण संबंधी नियंत्रण के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त एकीकृत केंद्र विकसित होगा। इसका निर्माण भोपाल विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है।

परियोजना की प्रगति और जरूरी अनुमतियों को लेकर चर्चा की गई। संभागायुक्त ने संबंधित विभागों को सभी शासकीय अनुमतियां 20 नवंबर तक पूरी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य निर्धारित समय पर शुरू कराने के लिए विभाग आपसी समन्वय से काम करें, ताकि

बैठक में परियोजना के निर्माण से जुड़ी विभिन्न अनुमतियों और तकनीकी कार्यों की समीक्षा की गई। इसमें भवन अनुज्ञा, पर्यावरणीय स्वीकृति, भूमि उपयोग परिवर्तन और हरित भवन प्रमाणन से संबंधित प्रक्रियाएं शामिल हैं। इसके अलावा निर्माण स्थल और आसपास के क्षेत्र में बाधा बन रहे बिजली के खंभों की शिफ्टिंग का काम भी समयसीमा में पूरा करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन का लक्ष्य है कि सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी

होने के बाद निर्माण कार्य बिना अनावश्यक देरी के शुरू हो सके। करीब 305 करोड़ रुपये की यह परियोजना भोपाल में बड़े संस्थागत और तकनीकी बुनियादी ढांचे के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है। इसके निर्माण से एयरोसिटी क्षेत्र में एक आधुनिक बिजली नियंत्रण परिसर विकसित होगा, जहां से पश्चिमी क्षेत्र के बिजली ग्रिड के संचालन और नियंत्रण का काम किया जाएगा।

हो चुका है। इसके साथ ही परियोजना के लिए भूमि आवंटन की प्रक्रिया भी पूरी कर ली गई है। निर्माण कार्य लगभग दो साल में पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस समयसीमा को ध्यान में रखते हुए प्रशासन संबंधित विभागों से जरूरी प्रक्रियाएं तय समय में पूरी कराने पर जोर दे रहा है।

स्वामित्व योजना : मप्र में 1.60 लाख रजिस्ट्री छिंदवाड़ा सबसे आगे, रीवा दूसरे और सागर तीसरे स्थान पर, बैंक लोन लेने में भी मिलेगी मदद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का कानूनी अधिकार दिलाने के लिए संचालित स्वामित्व योजना के तहत अब तक 1 लाख 60 हजार 230 रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं। प्रदेश के सभी 55 जिलों में ग्रामीण आबादी क्षेत्र के मकानों और भूखंडों के स्वामित्व संबंधी वैधानिक दस्तावेज तैयार कर पात्र हितग्राहियों को उपलब्ध कराए जा रहे हैं। योजना से ग्रामीणों को अपनी संपत्ति पर अधिकार का प्रमाण मिलने के साथ ही आर्थिक गतिविधियों के लिए बैंक ऋण जैसी वित्तीय सुविधाएं प्राप्त करने का आधार भी मजबूत हो रहा है। रजिस्ट्रियों के मामले में छिंदवाड़ा जिला प्रदेश में पहले स्थान पर है, जबकि रीवा दूसरे और सागर तीसरे स्थान पर है। स्वामित्व योजना के तहत जिलों में पंजीयन की प्रगति अलग-अलग है। छिंदवाड़ा में सर्वाधिक 8530 रजिस्ट्रियां पूरी हुई हैं। इसके बाद रीवा में 7563, सागर में 7289, राजगढ़ में 6285, छतरपुर में 6128, नरसिंहपुर में 6042, सतना में 5620, शिवपुरी में 5131, विदिशा में 4850, सिवनी में 4736, जबलपुर में 4269 और ग्वालियर में 3925 रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं। बैतूल में 3864, मंदसौर में 3831, मंडला में 3636, नर्मदापुरम में 3624,



भोपाल में 967, इंदौर में 883 रजिस्ट्रियां

डिंडोरी में 2534, मुरैना में 2521, खंडवा में 2370, श्यामपुर में 2354, बड़वानी में 2339, टीकमगढ़ में 2321, हरदा में 2237, राजाजपुर में 2012, देवास में 1987, दमोह में 1873, खरगोन में 1843 और आगर-मालवा में 1755 रजिस्ट्रियां दर्ज की गई हैं। वहीं, सीधी में 1738, दतिया में 1608, भिंड में 1561, झाबुआ में 1538, निवाड़ी में 1493, बुरहानपुर में 1308, पन्ना में 1278, शहडोल में 1257, रतलाम में 1122, भोपाल में 967, उमरिया में 903, इंदौर में 883, अनुसूपुर में 853, आलीराजपुर में 786, मरुगंज में 689 और पाटली में 666 रजिस्ट्रियां पूरी हो चुकी हैं।

सीहोर में 3534, रायसेन में 3159, कटनी में 2971, बालाघाट में 2913, गुना में 2883, नैमच में 2786, धार में 2777, उज्जैन में 2725 और मैहर में 2634 रजिस्ट्रियां पूरी हुई हैं।

एमपी के किसानों के लिए बड़ी खबर... रबी सीजन के लिए खाद हेतु फार्मर ID की गई अनिवार्य

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में रबी फसलों की बोवनी शुरू होने के साथ ही खाद की मांग बढ़ने लगी है। किसानों को जरूरत के अनुसार खाद उपलब्ध कराने के लिए सरकार ने ई-विकास पोर्टल के माध्यम से टोकन की व्यवस्था की है। अब खाद लेने के लिए किसानों के पास फार्मर आईडी होना अनिवार्य है। इसके बिना टोकन जनरेट नहीं होगा। प्रदेश में यूरिया, डीएपी और एनपीके सहित कुल 11.50 लाख टन खाद का भंडार है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कलेक्टरों-कमिश्नरों के साथ हुई वीडियो कॉन्फ्रेंस में निर्देश दिए हैं कि स्थानीय स्तर पर वितरण की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। कमजोर मानसून के कारण मालवांचल सहित अन्य क्षेत्रों में सितंबर के अंतिम सप्ताह से बोवनी प्रारंभ हो गई। अब इसमें गति आई है। इसके कारण खाद की मांग भी बढ़ी है। सरकार ने रबी

प्रदेश में 1 करोड़ से अधिक फार्मर आईडी तैयार

विभागीय अधिकारियों का कहना है कि वास्तविक किसान को ही खाद मिले, इसके लिए ई-विकास पोर्टल के माध्यम से टोकन जनरेट करवाने की व्यवस्था बनाई गई है। इसके लिए फार्मर आईडी होना अनिवार्य है। इसमें भूमि से संबंधित पूरा रिकार्ड दर्ज रहता है। इसके आधार पर किसानों की पहचान भी सुनिश्चित होगी। प्रदेश में एक करोड़ से अधिक किसानों की फार्मर आईडी बन चुकी है।

फसलों के लिए खाद की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए खरीफ सीजन से ही व्यवस्था बनाना शुरू कर दी थी। इसका लाभ यह हुआ कि अब तक किसानों को आठ लाख टन खाद का अग्रिम भंडारण करा दिया गया। अक्टूबर में ही 2.90 लाख टन खाद का वितरण किया जा चुका है।

लोकतंत्र की खूबसूरती असहमति में है, लेकिन जब असहमति व्यवस्था सुधारने के बजाय उसे अस्थिर करने का आह्वान बनने लगे, तब चिंता स्वाभाविक है। सड़क पर उठने वाली हर आवाज जनभावना की अभिव्यक्ति नहीं होती और भीड़ का हर शोर जनादेश का विकल्प नहीं बन सकता। आज ‘अराजकता’ और ‘सत्ता परिवर्तन’ के नारों के बीच भारतीय लोकतंत्र के सामने यही सवाल खड़ा है कि विरोध की सीमा कहां समाप्त होती है और व्यवस्था को चुनौती देने की शुरूआत कहां से होती है। प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव जैसे सार्वजनिक व्यक्तित्वों

के बयानों ने इस बहस को नई धार दी है। सड़क पर लोकतंत्र का भविष्य तय करने की अवधारणा जितनी आकर्षक सुनाई देती है, उतनी ही गंभीर पड़ताल की मांग करती है। लोकतंत्र केवल सड़कों पर जुटने वाली भीड़ का नाम नहीं है। उसकी वास्तविक शक्ति संसद, चुनाव, न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता में निहित है। इन संस्थाओं की आलोचना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन इनके स्थान पर कौन-सी व्यवस्था स्थापित होगी, इसका उत्तर दिए बिना सत्ता परिवर्तन का

भीड़तंत्र की चुनौती

हमारी मुट्ठी में पहुंचा दिया है, लेकिन विवेक और सूचना के बीच की दूरी अब भी बनी हुई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित संदेश क्षणभर में जनभावनाओं को आंदोलित कर सकते हैं। तथ्यों की पड़ताल से पहले प्रतिक्रियाएं सामने आने लगती हैं। ऐसी स्थिति में असंतोष को दिशा देने के बजाय भड़काना आसान हो जाता है। भीड़तंत्र का खतरा यहीं जन्म लेता है, जहां तक पीछे छूट जाता है और आवेग निर्णय करने लगता है। नीट प्रश्नपत्र लीक जैसे मामलों

में छात्रों का आक्रोश जायज है। परीक्षा की पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य से समझौता नहीं किया जा सकता। निर्वाचन आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाना भी नागरिकों का अधिकार है, लेकिन आरोपों की कसौटी प्रमाण होने चाहिए, प्रचार नहीं। विदेशी हस्तक्षेप या सुनियोजित साजिश के दावों की भी निष्पक्ष जांच आवश्यक है। सरकार के लिए भी यह परीक्षा की घड़ी है। विरोध की हर आवाज को विरोधी मानना लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुकूल नहीं, लेकिन हिंसा और कानून के उल्लंघन के प्रति उदासीनता भी उचित नहीं। कार्रवाई निष्पक्ष और कानून के दायरे में होनी चाहिए।

जन्मदिवस
पर
विशेष

संगठन, रणनीति व दृढ़ निश्चय के अद्वितीय शिल्पकार गृह मंत्री अमित शाह

सुरेश पचौरी

वरिष्ठ भाजपा नेता, पूर्व केंद्रीय मंत्री



देश के यशस्वी गृह मंत्री श्री अमित शाह की भारतीय राजनीति में पहचान एक ऐसे रणनीतिकार की है, जिन्होंने संगठन निर्माण, चुनावी प्रबंधन और राष्ट्रीय नीति निर्धारण के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट छाप छोड़ी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ एक लंबे अर्से से सामंजस्य बनाते हुए उन्होंने सत्ता और संगठन के बीच ऐसा समन्वय स्थापित किया, जिससे भारतीय जनता पार्टी की राजनैतिक यात्रा को नई दिशा मिली तथा चतुर्विध व्यापक जनाधार प्राप्त हुआ। सार्वजनिक जीवन में किसी व्यक्ति की पहचान उसके पद से आगे बढ़कर उसके निर्णयों, संगठनात्मक क्षमता, कार्य के प्रति प्रतिबद्धता और जनजीवन पर पड़ने वाले प्रभाव से निर्मित होती है।

भारतीय राजनीति में श्री अमित शाह की पहचान संगठन निर्माण, चुनावी रणनीति, प्रशासनिक निर्णयों और राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे विषयों से जुड़ी रही है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विश्वसनीय सहयोगी के रूप में उनकी राजनीतिक यात्रा ने राष्ट्रीय राजनीति में महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त किया है। संगठनात्मक जिम्मेदारियों से लेकर केंद्रीय मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण दायित्वों तक का उनका सफर उनकी राजनीतिक कार्यशैली, रणनीतिक सोच और नेतृत्व के विभिन्न पहलुओं को सामने लाता है।

श्री अमित शाह से मेरी पहली मुलाकात का प्रसंग आज भी स्मृति पटल पर अंकित है। दिल्ली स्थित उनके निवास पर चर्चा के दौरान उनकी स्मरणशक्ति और सामाजिक-राजनैतिक विषयों की गहरी समझ ने मुझे बहुत प्रभावित किया। उनसे मिलकर मुझे जो सुखद अनुभूति हुई, उसका सार तत्व यह है कि उनकी कार्यशैली गहन अध्ययन और सुविचारित रणनीति पर आधारित है। श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह का वैचारिक समन्वय गुजरत से विकसित होकर राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचा। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में भाजपा की उल्लेखनीय सफलता ने श्री अमित शाह को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रभावशाली चुनावी रणनीतिकार के रूप में पहचान दिलाई। इसके बाद विभिन्न राज्यों में पार्टी के विस्तार और चुनावी अभियानों के प्रबंधन में उनकी भूमिका महत्वपूर्ण बनी रही। गुजरत से शुरू हुई श्री नरेंद्र मोदी और श्री अमित शाह की बेमिसाल जोड़ी का राजनैतिक समन्वय आज राष्ट्रीय राजनीति में बानगी बन चुका है। एक ओर जहां प्रधानमंत्री मोदी जी ने अपने नेतृत्व कौशल और जनविश्वास से व्यापक राजनैतिक आधार तैयार किया, वहीं दूसरी ओर गृह मंत्री श्री अमित शाह ने संगठनात्मक विस्तार और चुनावी रणनीति के माध्यम से उसे मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

संगठन निर्माण : भाजपा के विस्तार की आधारशिला: भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में श्री अमित शाह ने संगठन को बृ्ध स्तर तक मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया। सदस्यता अभियान का विस्तार, कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी, नियमित जनसंपर्क और चुनावी तैयारियों को व्यवस्थित करना उनकी प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल रहा। पन्ना प्रमुख जैसी व्यवस्थाओं के माध्यम से संगठनात्मक जिम्मेदारियां निर्धारित

करने की प्रक्रिया को विशेष महत्व मिला। उनके अध्यक्षीय कार्यकाल में भाजपा ने देश के अनेक राज्यों में अपना आधार विस्तृत किया और सदस्यता के लिहाज से विश्व की सबसे बड़ी राजनैतिक पार्टी के रूप में अपनी पहचान स्थापित की। यह उपलब्धि व्यापक संगठनात्मक नेटवर्क, कार्यकर्ता-भागीदारी और निरंतर चुनावी सक्रियता का परिणाम थी और इस दूरदर्शी सोच के उन्नायक श्री अमित शाह थे।

गृह मंत्री के रूप में महत्वपूर्ण निर्णय: केंद्रीय गृह मंत्री के रूप में अमित शाह के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण संवैधानिक और विधायी निर्णय हुए। अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 से संबंधित प्रावधानों में बदलाव और जम्मू-कश्मीर के पुनर्गठन ने देश की राजनीति में एक नया अध्याय जोड़ा। तीन तलाक की प्रथा पर रोक लगाने वाला कानून तथा नागरिकता संशोधन अधिनियम भी उनके कार्यकाल के प्रमुख निर्णयों में शामिल हैं। राष्ट्रीय एकीकरण की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। भारत की एकता, अखंडता और अक्षुण्णता की दृष्टि से लिए गये ये महत्वपूर्ण निर्णय श्री अमित शाह के गृहमंत्रित्व काल की प्रमुख उपलब्धियों में शुमार हैं। आज हम देख रहे हैं कि मजबूत भारत बनाने की दिशा में

ये कदम मील का पथर साबित हो रहे हैं।

देश में आतंकवाद की जड़ों को समूल नष्ट करने, आंतरिक सुरक्षा को मजबूती देने, वामपंथ प्रेरित उग्रवाद से मुकाबला करने, पूर्वोत्तर में शांति स्थापित करने तथा सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय बनाने में श्री अमित शाह के कुशल नेतृत्व में कामयाब मिली। गृह मंत्री के रूप में वे अपने उत्तरदायित्व का जिस सक्षमता और दृढ़ता से निर्वहन कर रहे हैं, वह काबिल-ए-तारीफ है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व और श्री अमित शाह के निर्देशन में विशेष सुरक्षा बलों, पुलिसकर्मियों के सफल प्रयासों से

नक्सलवाद के दंश से देश को मुक्ति मिली है। बड़ी संख्या में नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है और सुनियोजित नक्सल-विरोधी रणनीति सफल हुई है। केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के निर्देशन में एक सशक्त पहल करते हुए 31 मार्च, 2026 से नशे के खिलाफ तीन वर्ष का देशव्यापी अभियान चलाने का लक्ष्य तय किया गया है।

केंद्रीय सहकारिता मंत्री के रूप में भी श्री अमित शाह की भूमिका महत्वपूर्ण रही है। भारत में सहकारिता आंदोलन का संबंध कृषि, दुग्ध उत्पादन, ग्रामीण ऋण व्यवस्था और स्थानीय आर्थिक गतिविधियों से रहा है। सहकारी संस्थाएं किसानों, छोटे उत्पादकों और ग्रामीण समुदायों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में सफल माध्यम रही हैं। श्री अमित शाह की राजनैतिक कार्यप्रणाली पर दृष्टिपात करें तो स्पष्ट है कि उनमें संगठनात्मक अनुशासन कायम रखने और राष्ट्र हित में कड़ा-से कड़ा निर्णय लेने की अद्भुत क्षमता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ उनका दीर्घकालीन वैचारिक समन्वय, भारतीय जनता पार्टी संगठन के व्यापक विस्तार में उनका योगदान और गृह मंत्री के रूप में उनके द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण निर्णय देशहित में रहे हैं।

22 अक्टूबर को उनके जन्मदिन के अवसर पर उन्हें उत्तम स्वास्थ्य, सुदीर्घ और यशपूर्ण जीवन के लिए हार्दिक शुभकामनाएं।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

भूपेन्द्र शर्मा

वरिष्ठ पत्रकार



यदि किसी वर्ग-विशेष को सामाजिक संबल एवं सुरक्षा-संरक्षण प्रदान करने के लिए गढ़ा विशेष विधान, निर्दोषों के दमन का अस्त्र बन जाए, तो उसे न्याय नहीं, बल्कि विधिक विडंबना ही कहा जाएगा। वर्ष 1989 में अस्तित्व में आया एवं समय-समय पर हुए संशोधनों से लैस ‘अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति’ (अत्याचार निवारण) अधिनियम’ (एससी-एसटी एक्ट), जिसके अंतर्गत वादी को 8 लाख 25 हजार रुपए (केस अनुसार) दिए जाते हैं, अपने मूल उद्देश्यों से भटककर आज कथित तौर पर प्रतिशोध एवं सामाजिक वैमनस्य का माध्यम बन गया है। बिना प्राथमिक जांच के तत्काल गिरफ्तारी के प्राविधान तथा सख्त धाराओं की तलवार ने पिछड़ों-सवर्णों समेत समाज के बड़े वर्ग के जीवन को अधिशप्त कर दिया है, जहां कानून का भय न्याय स्थापित करने के बजाय समाज के ताने-बाने को छिन्न-भिन्न कर रहा है।

भारतीय संविधान की प्रस्तावना देश के प्रत्येक नागरिक को ‘सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक न्याय’ तथा ‘प्रतिष्ठा एवं अवसर की समानता’ का संकल्प देती है। संविधान के अनुच्छेद 14 (समता का अधिकार), अनुच्छेद 15 (भेदभाव का निषेध) एवं अनुच्छेद 17 (अस्पृश्यता का अंत) जैसे प्राविधान एक ऐसे समाज की कल्पना करते हैं, जहां किसी भी नागरिक के साथ उसकी जाति, धर्म, लिंग या जन्म-स्थान के आधार पर भेदभाव न हो। सन 1950 में संविधान लागू होने के साथ ही अनुसूचित जातियों (एससी) एवं अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के ऐतिहासिक उत्पीड़न को दूर करने तथा उन्हें मुख्यधारा में लाने के लिए शिक्षा, सरकारी सेवाओं एवं विधायिका (संसद व विधानसभा) में आरक्षण का प्राविधान किया गया। फिर चार दशक बाद, 1989 में अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम (एससी-एसटी एक्ट) लाने की आवश्यकता क्यों पड़ी?

क्या समाज में केवल जाति के आधार पर ही झगड़े होते हैं? क्या आर्थिक, शारीरिक या शैक्षिक रूप से अशक्त व्यक्ति (चाहे वह किसी भी जाति का हो) अत्याचार का शिकार नहीं होता? कानून व्यवस्था में किसी भी नागरिक पर होने वाले हमले, गाली-गलौज, संपत्ति का नुकसान या मानहानि के लिए भारतीय न्याय संहिता के तहत धाराएं उपलब्ध हैं। भारतीय थानों एवं अदालतों में प्रतिदिन ऐसे हजारों मामले दर्ज होते हैं, जहां आर्थिक या सामाजिक रूप से निर्बल व्यक्ति- चाहे वह सामान्य वर्ग का हो या किसी अन्य वर्ग का- कानूनी लड़ाई लड़ता है। वर्तमान की अधिसंख्य सामाजिक-व्यावहारिक स्थितियों के दृष्टिकोण से विचारकों का मानना है कि जब संवैधानिक दृष्टिकोण से सभी नागरिक समान हैं, तो किसी अपराध के लिए केवल आरोपियों एवं पीड़ितों की ‘जाति’ के आधार पर अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएं एवं कठोरतम धाराएं तय करना सैद्धांतिक रूप से समानता की भावना के विपरीत है। एक सामान्य या पिछड़े वर्ग का निर्धन व्यक्ति भी उतना ही असहाय हो सकता है, जितना कोई अन्य व्यक्ति। जब उसके साथ कोई अन्याय होता है, तो उसे सामान्य कानूनी प्रक्रियाओं से गुजरना पड़ता है, जबकि विशेष अधिनियम के तहत मामला तुरंत गंभीर और गैर-जमानती

धाराओं में बदल जाता है। विगत वर्षों में इसके दुरुपयोग की शिकायतें व्यापक रूप से सामने आई हैं।

अप्र, मप्र, राजस्थान, महाराष्ट्र, बिहार जैसे राज्यों में आएदिन एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत फ़र्जी एफआईआर ने सवर्ण एवं पिछड़े वर्ग का जीवन संकट में डाल दिया है। इस एक्ट के दुरुपयोग की पराकाष्ठा यह है कि एक व्यक्ति से सामान्य विवाद होने पर पूरे परिवार तथा एक परिवार से विवाद होने पर पूरे समुदाय पर शोक में एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराई जा रही हैं। इस अति के दुष्परिणाम भी सामने आने लगे हैं- चित्रकूट के मानिकपुर गांव में एक ब्राह्मण युवक ने उसके विरुद्ध फ़र्जी एफआईआर होने पर आत्महत्या कर ली। यहीं के जोरवार गांव में एक ब्राह्मण युवक पर छेड़छाड़ का फ़र्जी केस दर्ज करा देने पर दूसरे दिन उसने वादी के घर में घुसकर गोलियां दाग दीं, जिससे एक महिला की मौत हुई तथा एक व्यक्ति घायल हुआ। इसके बाद उसने स्वयं को गोलीमार कर आत्महत्या कर ली।

एक नहीं आएदिन देशभर में ऐसे सैकड़ों केस हो रहे हैं। विशेष बात यह कि एक दलित के विरुद्ध (मामला परिचित के साथ हो या अनजान के साथ) पड़ोस में, बाज़ार में या किसी ऑफिस-दफ्तर में अन्य वर्ग ने यदि किसी दलित व्यक्ति से ‘चू’ भी कर दी, तो एससी-एसटी

एक्ट के तहत एफआईआर में दर्े नहीं लगती, क्योंकि एफआईआर दर्ज होने पर 25 प्रतिशत तथा आरोपी के गिरफ्तार होते ही 50 प्रतिशत राशि मिल जाती है। कथित दलित नेताओं द्वारा बैंकों में, पुलिस थानों में, कलेक्ट्रेट में यहां तक कि अदालतों में खुलेआम एससी-एसटी एक्ट के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कराने की धमकियां दी जा रही हैं।

सर्वोच्च न्यायालय ने भी विभिन्न मामलों (जैसे- 2018 का सुभाष काशीनाथ महाजन विषय) में यह स्वीकार किया था कि इस अधिनियम का उपयोग कई बार निजी दुश्मनी, संपत्ति विवाद या ब्लैकमेलिंग के लिए किया जाता है। अदालत ने टिप्पणी की कि कानून का उद्देश्य न्याय देना है न कि निर्दोषों को प्रताड़ित करना। सामान्य झगड़ों, व्यक्तिगत रंजिश, भूमि विवाद, व्यापारिक प्रतिस्पर्धा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाने के लिए इस एक्ट का दुरुपयोग किया जा रहा है। जन-प्रतिनिधियों द्वारा सार्वजनिक मंचों से अधिकारियों को इस कानून के नाम पर धराए जैसे उदाहरण आम नागरिकों में आक्रोश एवं असुरक्षा की भावना पैदा करते हैं।

कानून समाज को जोड़ने के लिए होना चाहिए, न कि उसमें विभाजन और वैमनस्य पैदा करने के लिए। वर्तमान समय में एससी-एसटी एक्ट के क्रियान्वयन, दुरुपयोग की शिकायतों तथा सामाजिक ताने-बाने पर पड़ रहे दुष्प्रभावों को लेकर हाहकार मचा हुआ है? अधिनियम का मूल उद्देश्य शिक्षा-धन-बल से दबे लोगों को सशक्त बनाना था, किंतु इसके दुरुपयोग से उत्पन्न सामाजिक आक्रोश को देखते हुए विधायिका एवं न्यायपालिका इसके नकारात्मक पहलुओं पर गंभीरता से विचार करें। यदि समय रहते एक्ट के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने वाले व्यावहारिक नियम लागू नहीं किए गए, तो सामाजिक समरसता को पहुंचने वाली क्षति की जवाबदेही तय करना कठिन हो जाएगा।

—यह लेखक के अपने विचार हैं।

हेल्थ अपडेट

सीढ़ियां चढ़ते ही सांस फूलना, लगातार सूखी खांसी और थोड़ी शारीरिक गतिविधि के बाद थकान को सामान्य कमजोरी समझकर नजरअंदाज करना नुकसानदेह हो सकता है। यदि ये लक्षण लंबे समय तक बने रहें या धीरे-धीरे बढ़ने लगें, तो इनके पीछे इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस जैसी गंभीर फेफड़ों की बीमारी भी हो सकती है। समय पर चिकित्सकीय जांच से बीमारी की पहचान करने और उपलब्ध उपचार विकल्पों पर निर्णय लेने में मदद मिलती है।

इडियोपैथिक पल्मोनरी फाइब्रोसिस फेफड़ों से जुड़ी एक दीर्घकालिक बीमारी है। इसमें फेफड़ों के भीतर हवा की छोटी थैलियों यानी एल्वियोलों के आसपास मौजूद टिशू में असामान्य रूप से निशान बनने लगते हैं। इस प्रक्रिया को फाइब्रोसिस कहा

जाता है। समय के साथ फेफड़ों के टिशू मोटे और कठोर हो सकते हैं, जिससे रक्त में ऑक्सीजन पहुंचने की प्रक्रिया प्रभावित होती है।

यदि कोई व्यक्ति पहले आसानी से दो मंजिल सीढ़ियां चढ़ लेता था, लेकिन अब एक मंजिल चढ़ने पर ही सांस फूलने लगती है, तो इस बदलाव को गंभीरता से लेना चाहिए। विशेष रूप से तब, जब परेशानी लगातार बढ़ रही हो।स्वस्थ फेफड़ों में एल्वियोलों की पतली दीवारों से ऑक्सीजन आसानी से रक्त में पहुंचती है। लेकिन फाइब्रोसिस के कारण आसपास के टिशू सख्त और मोटे होने लगते हैं। इससे ऑक्सीजन



इंटरस्टीशियल लंग डिजीज और एसिड रिफ्लक्स जैसी स्थितियों में

का आदान-प्रदान कठिन हो सकता है।

शुरुआत में व्यक्ति को तेज चलने, व्यायाम करने या सीढ़ियां चढ़ने के दौरान परेशानी महसूस हो सकती है। बीमारी बढ़ने पर सामान्य घरेलू काम करते समय भी सांस फूल सकती है। ऑक्सीजन की उपलब्धता प्रभावित होने से शरीर की मांसपेशियों को पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं मिल पाती, जिससे थकान बढ़ सकती है। सूखी खांसी और सांस फूलना केवल आईपीएफ के लक्षण नहीं हैं। अस्थमा, सीओपीडी, हृदय संबंधी समस्याएं, श्वसन संक्रमण, अन्य

भी ये लक्षण दिखाई दे सकते हैं। इसलिए केवल लक्षणों के आधार पर बीमारी की पहचान करना संभव नहीं है।

चिकित्सक जरूरत के अनुसार फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच, हाई-रेजोल्यूशन सीटी स्कैन (HRCT), ऑक्सीजन स्तर की जांच और अन्य परीक्षणों की मदद ले सकते हैं। यदि सूखी खांसी लंबे समय तक बनी रहती है, सांस फूलने की समस्या बढ़ती है या रोजमर्रा के काम करने में परेशानी होने लगती है, तो फेफड़ों के विशेषज्ञ यानी पल्मोनोलॉजिस्ट से परामर्श लेना चाहिए। अचानक या गंभीर सांस की तकलीफ होने पर तत्काल चिकित्सा सहायता लें। आईपीएफ का पूर्ण इलाज फिलहाल उपलब्ध नहीं है, लेकिन कुछ उपचार बीमारी की प्रगति धीमी करने और लक्षणों के प्रबंधन में मदद कर सकते हैं।

निशाना

सुल्तान समझ के बैठा है!



मनोज साहू ‘निड’

तू जिसको भगवान समझ के बैठा है। वो तुझको पाषाण समझ के बैठा है। भरमारसार की मौत छिपी उन हाथों में, वो जिनको वरदान समझ के बैठा है। धागों की बंदिश में रह कर नाच रहा जो, खुद को सुल्तान समझ के बैठा है। कितना खून पसीना शामिल है इसमें, तू जिसको अनुदान समझ के बैठा है। कागज का ‘आधार’ फ़क़त इक ज़रिया है, क्यों अपनी पहचान समझ के बैठा है।

वायरल कंटेंट

12 लाख का पैकेज पाने वाले दो इंजीनियर रैपिडो चलाकर बने सोशल मीडिया की सुर्खी

अच्छी नौकरी, लाखों का सालाना पैकेज और खाली समय में बाइक टैक्सी चलाने का फैसला। पुणे के दो सॉफ्टवेयर इंजीनियरों की यह कहानी सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बनी हुई है। दोनों युवकों की सालाना सैलरी करीब 12-12 लाख रुपये बताई जा रही है। इसके बावजूद उन्होंने वीकेंड पर रैपिडो बाइक राइड बनकर अतिरिक्त कमाई करने का प्रयोग किया। दिनभर बाइक चलाने के बाद एक इंजीनियर ने करीब 900 रुपये, जबकि दूसरे ने लगभग 500 रुपये कमाए। उनकी इस पहल को लेकर सोशल मीडिया पर लोग दिलचस्प प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

सोशल मीडिया मंच एक्स पर पुणे में रहने वाले एक व्यक्ति ने अपने दो रूममेट्स से जुड़ा यह अनुभव साझा किया। पोस्ट के मुताबिक, दोनों युवक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और उनकी सालाना सैलरी करीब 12 लाख रुपये है। आमतौर पर लोग नौकरी के व्यस्त दिनों के बाद सप्ताहांत में आराम करना पसंद करते हैं, लेकिन

इन दोनों ने अपना खाली समय अलग तरीके से बिताने का फैसला किया। दोनों युवकों के पास स्पোর্ट्स बाइक थीं। ऐसे में उन्होंने अपनी बाइक से रैपिडो की सवारी उपलब्ध कराकर यह जानने की कोशिश की कि इस काम से कितनी अतिरिक्त कमाई हो सकती है। उनका यह प्रयोग अब सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रहा है। सोशल मीडिया पर साझा जानकारी के अनुसार, दोनों इंजीनियरों ने पिछले सप्ताहांत एक दिन बाइक राइड के रूप में काम किया। दिनभर की राइड के बाद एक युवक की कमाई करीब 900 रुपये रही, जबकि दूसरे ने लगभग 500 रुपये कमाए।

पोस्ट के साथ साझा किए गए मोबाइल स्क्रीनशॉट में एक दिन की कमाई 929.87 रुपये दिखाई गई। स्क्रीनशॉट में आखिरी बाइक राइड का किराया 44.68 रुपये दर्ज था। हालांकि, यह आंकड़ा एक दिन के अनुभव पर आधारित है। इससे यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि दोनों इंजीनियर हर दिन या प्रत्येक सप्ताहांत इतनी ही रकम कमा पाएंगे।



टेक्नो अपडेट

आ रहा है ऐपल का नया रोबोटिक डिस्प्ले... बदल सकता है आपका वीडियो कॉल का अनुभव

ऐपल स्मार्ट होम तकनीक के क्षेत्र में एक नए रोबोटिक डिस्प्ले पर काम कर रहा है, जो वीडियो कॉल करने के तरीके को बदल सकता है। इस डिवाइस की खासियत यह होगी कि इसकी स्क्रीन कमरे में बोलने वाले व्यक्ति की आवाज पहचानकर उसी दिशा में घूम सकेगी। इससे वीडियो कॉल के दौरान उपयोगकर्ता को बार-बार स्क्रीन के सामने आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, इसमें करीब 9 इंच की स्क्रीन और मोटर से चलने वाला घूमने वाला आर्म दिया जा सकता है।

ब्लूमबर्ग के तकनीकी पत्रकार मार्क गुरमन की रिपोर्ट के मुताबिक, ऐपल के इस प्रोटेक्ट का आंतरिक नाम ‘जे595’ बताया गया है। इसमें स्क्रीन को एक मोटराइज्ड आर्म पर लगाया जा सकता है, जो जरूरत के अनुसार अपनी दिशा बदल सकेगा। रिपोर्टों में इसके 360 डिग्री तक घूमने में सक्षम होने की संभावना भी जताई गई है। हालांकि, इन विशेषताओं की कंपनी ने आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इस तकनीक का उद्देश्य घर में बातचीत और वीडियो कॉल

को अधिक सुविधाजनक बनाना है। उदाहरण के लिए, यदि कोई व्यक्ति रसोई में काम करते हुए वीडियो कॉल कर रहा है, तो डिवाइस उसकी आवाज की दिशा पहचानकर स्क्रीन को उसकी तरफ घुमा सकता है। इससे उपयोगकर्ता चलते-फिरते भी कैमरे के सामने बना रह सकेगा। यह सुविधा उन परिवारों के लिए उपयोगी हो सकती है, जो वीडियो कॉल के जरिए दूर रहने वाले रिश्तेदारों से नियमित बातचीत करते हैं। इसके अलावा, घर में डिजिटल सहायक के रूप में भी इसका इस्तेमाल किया जा सकता है।

2027 से 2028 के बीच हो सकता है
लॉन्च: मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, ऐपल इस डिवाइस को 2027 से 2028 के बीच बाजार में उतार सकता है। इसे कंपनी के प्रीमियम स्मार्ट होम उत्पाद के रूप में पेश किए जाने की संभावना है। इसकी संभावित कीमत करीब 1,000 डॉलर बताई जा रही है। हालांकि, लॉन्च की तारीख और कौनसे दोनों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। डिवाइस के नाम को लेकर भी अभी स्थिति स्पष्ट नहीं है। कुछ रिपोर्टों में होमव्यू प्रो, होमव्यू मैक्स और होमव्यू 360 जैसे संभावित नामों का उल्लेख किया गया है।





औबेदुल्लागंज में 50 हजार से ज्यादा लोगों बीच हुआ रावण दहन

औबेदुल्लागंज। विजयदशमी के पावन अवसर पर औबेदुल्लागंज में दशहरा पर्व अपार उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। हिंदू उत्सव समिति, नगर पालिका परिषद और पुलिस प्रशासन के संयुक्त समन्वय से आयोजित इस भव्य समारोह में 50 हजार से अधिक लोग साक्षी बने। कार्यक्रम का शुभारंभ मानस

मंडल द्वारा प्रस्तुत भजनों से हुआ, जिसने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया। इसके पश्चात नगर में आकर्षक और झिलमिल रोशनी से सुसज्जित भव्य झाकियों का चल समारोह निकाला गया। जगह-जगह लगे प्रसादी पंडालों में श्रद्धालुओं को पोहा, हलवा, चना और पूरी-सब्जी का वितरण किया गया। हिंदू उत्सव समिति द्वारा 9

दिनों तक झाकियों के प्रदर्शन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और भंडारा आयोजकों को मंच से स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही उत्कृष्ट व्यवस्थाओं के लिए नगर पालिका के मुख्य अधिकारी, एसडीओ, थाना प्रभारी सहित पुलिस व प्रशासनिक अमले का आभार जताते हुए सम्मान किया गया। नगर पालिका द्वारा

स्वच्छता व पेयजल तथा पुलिस द्वारा सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। देर रात 1:00 बजे आतिशबाजी के बीच अहंकार के प्रतीक दशानन का दहन किया गया। इसके उपरांत हिंदू उत्सव समिति अध्यक्ष सोनू चौकसे ने सभी नागरिकों और प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

पीटीसी ग्राउंड में 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ ही कुंभकरण और मेघनाद के पुतले का भी हुआ दहन

हमें संकल्प लेना हैं कि सब सत्य के मार्ग पर चलें: गोविंद राजपूत

सागर। दोपहर मेट्रो

विजयादशमी पर्व पर नगर निगम द्वारा पीटीसी ग्राउंड में दशहरा महोत्सव का आयोजन किया गया। भगवान श्रीराम के जयघोष के बीच जैसे ही श्रीराम के बाण से 51 फीट ऊंचे रावण के पुतले के साथ ही कुंभकरण एवं मेघनाद के पुतले का दहन हुआ, पूरा मैदान जय श्रीराम के उद्घोष से गूंज उठा। देखते ही देखते रावण, कुंभकरण और मेघनाद का पुतला धू-धू कर जलने लगा। इसके साथ ही लगभग 15 मिनट तक हुई आकर्षक आतिशबाजी ने हजारों की संख्या में उपस्थित नागरिकों का मन मोह लिया। दशहरा महोत्सव कार्यक्रम में राधे-राधे संकीर्तन ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

दशहरा महोत्सव में मुख्य अतिथि



केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत एवं विशिष्ट अतिथि सांसद लता वानखेडे, विधायक शैलेन्द्र कुमार जैन, महापौर संगीता सुशील तिवारी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम तिवारी एवं निगम अध्यक्ष वृंदावन अहिरवार उपस्थित थे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि केबिनेट मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने नगरवासियों को विजयादशमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि असत्य पर सत्य की विजय का यह उत्सव, हम सब अधर्म अहंकारी रूप रावण का

दहन करते हैं, हमें संकल्प लेना है हम सब सत्य के मार्ग पर चले और ऐसा कोई काम न करें जिससे हमें नीचा देखना पड़े। दशहरा केवल रावण के पुतले के दहन का पर्व नहीं, बल्कि अपने भीतर मौजूद अहंकार, क्रोध, लोभ, मोह, ईर्ष्या और अन्य बुराइयों को समाप्त करने का संकल्प लेने का अवसर है। भगवान श्रीराम का जीवन मर्यादा, कर्तव्य, त्याग, संयम और आदर्शों के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि कठिन परिस्थितियों में भी सत्य और धर्म का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। विजयादशमी का संदेश है कि परिस्थितियां चाहे कितनी भी चुनौतीपूर्ण हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है।

अब समाज को नशारूपी रावण का अंत करना होगा: रघुवंशी



गंजबासौदा। दोपहर मेट्रो

दशहरे पर रावण दहन के साथ अब समाज को नशारूपी रावण का भी अंत करना होगा। नशा युवाओं का भविष्य बर्बाद कर रहा है। इसे रोकने के लिए परिवार और समाज को मिलकर प्रयास करने होंगे। यह बात विधायक हरि सिंह रघुवंशी ने मंगलवार को बरेठ रोड स्थित रघुवंशी धर्मशाला में आयोजित सामूहिक शस्त्र पूजन कार्यक्रम में कही। अखिल भारतीय अखंड रघुवंशी क्षत्रिय परिषद के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में विधायक ने कहा कि दशहरा बुराई पर अच्छाई की जीत का संदेश देता है। समाज को भी नशे जैसी बुराई के खिलाफ एकजुट होकर युवा पीढ़ी को इससे बचाने का संकल्प लेना चाहिए। कार्यक्रम में सोशल मीडिया के माध्यम से सामाजिक

जागरूकता फैलाने वाले ग्राम गमाखर निवासी युवा इन्स्प्लुरेंसर्स विपिन रघुवंशी और विक्रम रघुवंशी का विधायक ने रामनामी पट्टी पहनाकर सम्मान किया। इससे पहले विधायक ने समाज के वरिष्ठजनों और पदाधिकारियों के साथ विधि-विधान से शस्त्र पूजन किया। पंडित प्रभात शर्मा और पंडित विकास मिश्रा ने वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन संपन्न कराया। लाइसेंसधारी शस्त्रधारियों ने भी नियमानुसार अपने शस्त्रों का पूजन किया। परिषद की युवा इकाई के जिला अध्यक्ष इंजीनियर रविंद्र सिंह रघुवंशी ने बताया कि गंजबासौदा और गुलाबगंज में शस्त्र पूजन हो चुका है, जबकि सिरोंज और विदिशा में भी आयोजन किए जा रहे हैं। कार्यक्रम का संचालन परिषद के प्रदेश मीडिया प्रभारी देवेंद्र रघुवंशी ने किया।

मनोकामना वाली महाकाली, बड़ी महाकाली की निकली शोभायात्रा

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

दशहरा पर्व के अवसर पर मंगलवार को नगर के वार्ड क्रमांक 9 में जनपद पंचायत कार्यालय के सामने विराजी मनोकामना वाली महाकाली और गौशाला के पास विराजी बड़ी महाकाली की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। बैड-बाजों, ढोल-नगाड़ों और धार्मिक जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय हो गया। दोनों महाकाली के दर्शन और शोभायात्रा में शामिल होने के लिए नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। शोभायात्रा में मां काली की आकर्षक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। इसके आगे बैड-बाजे



अपनी मनमोहक प्रस्तुतियां देते हुए चल रहे थे। वहीं बजरंग अखाड़ा के कलाकारों ने विभिन्न प्रकार के हैरतअंगेज करतब और शौर्य प्रदर्शन प्रस्तुत कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। अखाड़े के कलाकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं।

विभिन्न जगह हुए भंडारे, गुरैया नदी पर हुआ विसर्जन

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

मंगलवार को नगर में धूमधाम के साथ दशहरा पर्व मनाया गया। शाम 6 बजे से आदिशक्ति मां दुर्गा की नगर में भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें मातारानी की आकर्षक झाकियों के साथ सजे वाहनों ने नगर भ्रमण किया। दुर्गा समिति के सदस्यों द्वारा सजी हुई झाकियां, बैड-बाजे, डीजे और भक्तिमय वातावरण ने पूरे नगर को धार्मिक रंग में रंग दिया। आसपास के गांवों से हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन के लिए नगर पहुंचे। शोभायात्रा में श्रीराम भक्त केवट अखाड़ा व बजरंग अखाड़ा के कलाकारों ने अपने हैरत अंगेज



कारनामों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। नगर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए शोभायात्रा निर्धारित क्रम में पुलिस थाना के सामने गल्ला मंडी मैदान में पहुंचकर एकत्रित हुई इस शोभायात्रा में जहां 24

से अधिक प्रतिमाएं सम्मिलित हुईं। शोभायात्रा के उपरांत सभी झाकियां अपने-अपने स्थानों पर लौट गईं और चल समारोह का विधिवत समापन हुआ। रात्रि में जिला सहकारी बैंक

परिसर में जबलपुर से कलाकारों ने भजन कीर्तन किए और तारादेही चौराहा भी कलाकारों ने मातारानी का भावपूर्ण मंचन किया गया, वहीं कई जगह जगराता कार्यक्रम हुआ जिसमें भजन कीर्तन नाटक का मंचन भी किया गया। सुबह चार बजे से गुरैया नदी के तट पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना एवं आरती के पश्चात माता रानी की प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ देवी प्रतिमाओं को विदाई दी और अगले वर्ष पुनः आने का आमंत्रण दिया। चल समारोह के दौरान नगर में अनेक स्थानों पर भंडारे आयोजित किए गए।

कंदेली समिति को मिला प्रथम पुरस्कार

नरसिंहपुर। दोपहर मेट्रो

शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर शहर में दुर्गा उत्सव की धूम रही। इसी क्रम में रेस्ट हाउस दुर्गा मंडल द्वारा आयोजित सर्वश्रेष्ठ साज-सज्जा प्रतियोगिता में न्यू नरसिंह दुर्गा उत्सव समिति, कंदेली स्थित महाकाली हरेराम धर्मशाला के पंडाल को प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। समिति द्वारा इस वर्ष माता रानी के दरबार की भव्य और आकर्षक साज-सज्जा की गई थी, जिसमें लाइटिंग, फूलों की सजावट और थीम ने सभी का मन मोह लिया। निर्णायक मंडल ने



सजावट, स्वच्छता, व्यवस्था और भक्ति भाव के आधार पर महाकाली हरेराम धर्मशाला की साज-सज्जा को सर्वश्रेष्ठ घोषित किया। पुरस्कार की घोषणा होते ही समिति के

सदस्यों और क्षेत्रवासियों में हर्ष की लहर दौड़ गई। समिति के सदस्यों ने यह पुरस्कार माता रानी के आशीर्वाद और सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत को समर्पित किया।

तारादेही में मां भगवती की निकाली गई भव्य शोभायात्रा

तारादेही। दोपहर मेट्रो

मंगलवार को तारादेही रेंज परिसर विराजी मां आदिशक्ति माता रानी की मनमोहक झांकी सजाकर डीजे, ढोल-नगाड़ों और आतिशबाजी के साथ पूरे तारादेही ग्राम में भव्य शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामवासी सहित आसपास के गांव के लोग शामिल हुए 9 दिन तक बिना जुता-चप्पल व्रत करने के बाद भक्तों ने दशहरा पर्व धूमधाम से मनाया। दुर्गा उत्सव समिति ने पुष्प वर्षा की पूरा गांव



जयकारों से गूंज उठा रात्रि 9:30 बजे व्यारमा नदी में जेसीबी मशीन की मदद से शांतिपूर्ण विसर्जन किया गया। थाना प्रभारी आलोक तिरपुडे पुलिस स्टाफ सहित गणमान्य लोग एवं ग्रामवासी मौजूद रहे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

दूरभाष नं. 0755- 2677317, 2443260) Email id: Pskohefizabpl@gmail.com)
क्रमांक- थाप्र/कोहे/भो/डी/035/2026/ दिनांक- 13/10/2026
प्रति,

जाहिर सूचना



G-20334/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोहेफिजा के मर्ग क्रमांक 35/2026 धारा 194 बी.एन.एस.एस के मृतक अखिलेश गिवाल पिता नाथुराम गिवाल पुरुष उम्र लगभग 26 साल निवासी म.न.122 पोस्ट भेलवाडा जिला बैतुल म.प्र., रंग गेहूंआ, शरीर दुबला पतला, सिर के बाल काले आगे से कुछ गिरे हुये है, चेहरे पर दाढ़ी मुँह काली बड़ी बड़ी है, जो शरीर पर कुछ नहीं पहने है। अतः उक्त अखिलेश गिवाल पिता नाथुराम गिवाल उम्र 26 साल लगभग के संबंध में कोई जानकारी मिलती है तो कृपया कर थाना प्रभारी कोहेफिजा भोपाल के मोबाईल नंबर 9479990583 या जॉचकर्ता के मोबाईल नंबर 7049104038 पर या ऑफिस के नंबर 9479990687 तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी थाना कोहेफिजा भोपाल

मेट्रो एंकर

पुलिस स्मृति दिवस पर शहीद स्मारक में गुंजा सलामी का स्वर

कर्तव्य की वेदी पर प्राण न्योछावर करने वाले वीरों को नमन...

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

देश की सुरक्षा और आमजन की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीर पुलिसकर्मियों की शहादत को बुधवार सुबह नर्मदापुरम पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर नमन किया गया। पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह में शहीदों के बलिदान को याद कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। परेड की सलामी, शहीदों की नामावली का वाचन और पुष्पचक्र अर्पित कर पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमंत्रित अतिथियों ने देश के लिए सर्वोच्च बलिदान देने वाले वीरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की।



इनकी रही विशेष उपस्थिति

समारोह की शुरुआत पुलिस अधिकारियों के आगमन और परेड की सलामी के साथ हुई। इसके बाद परेड ने शहीदों को सलामी दी। पुलिस अधीक्षक ने शहीदों की नामावली का वाचन कर उनके बलिदान को स्मरण किया। इस दौरान नर्मदापुरम जोन पुलिस महानिरीक्षक चंद्रशेखर सोलंकी, उप महानिरीक्षक बीरेन्द्र सिंह, कलेक्टर आशीष वशिष्ठ, एसपी साई कृष्णा एस थोटा सहित पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और आमंत्रित अतिथियों ने शहीद स्मारक पर पुष्पचक्र एवं पुष्पमालाएं अर्पित कर वीर शहीदों को नमन किया। समारोह में पुलिस बल ने शहीदों के सम्मान में अंतिम सलामी दी और शोक शस्त्र की कार्यवाही की। इस अवसर पर शहीद पुलिसकर्मियों के अदम्य साहस, कर्तव्यनिष्ठा और त्याग का स्मरण किया गया। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

कार्यालय थाना प्रभारी

थाना स्टेशन बजरिया जिला भोपाल

क्रमांक / गुम ई. 42/26 दिनांक 07/10/26

जाहिर सूचना



G-20307/26

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि थाना स्टेशन बजरिया जिला भोपाल के गुम ईसान क्रमांक 42/26 के गुमशुदा अभिषेक पति स्व. राजकुमार उम्र 27 साल निवासी गली नंबर 06 मकान नंबर 41 क्रीती मेडीकल के पास पुरुषोत्तम नगर थाना स्टेशन बजरिया भोपाल का दिनांक 15/07/26 को प्रातः 04.00 बजे घर से बिना बताये कहीं चले गये है। जिसका हुलीया रंग- सावला, चेहरा- लंबा, ऊचाई- 5 फिट 10 इंच, लाल-नीले रंग की टी शर्ट, स्काई ब्लू रंग की जीन्स की पेट्ट तथा पैर में जूते पहने है। उपरोक्त गुमशुदा के बारे मे कोई जानकारी हो तो थाना स्टेशन बजरिया भोपाल में सम्पर्क करें अथवा थाना को मोबाईल नम्बर 9479990523

थाना प्रभारी

थाना स्टेशन बजरिया भोपाल

न्यूज विंडो

चलती बाइक पर साथी को कंधे पर बैठाकर किया स्टंट, यातायात पुलिस ने की कार्रवाई



धार। शहर में यातायात नियमों का उल्लंघन कर चलती बाइक पर खतरनाक स्टंट करने वाले दो युवकों के खिलाफ यातायात पुलिस ने कार्रवाई की है। बाइक चलाते समय एक युवक ने अपने साथी को कंधों पर बैठाकर सड़क पर स्टंट किया। युवकों ने इस खतरनाक करतब की रील बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दी थी। जानकारी के अनुसार, शहर की मुख्य सड़क पर तेज गति से बाइक चलाते हुए स्टंट करने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया। इसके बाद यातायात पुलिस ने बाइक नंबर के आधार पर दोनों युवकों की पहचान कर उन्हें थाने बुलाया। पुलिस ने दोनों को यातायात नियमों का उल्लंघन करने और जान जोखिम में डालने के खतरों के बारे में समझाइश दी। साथ ही उनसे उठक-बैठक लगवाई और माफी मंगवाकर भविष्य में इस तरह के स्टंट नहीं करने की चेतावनी दी। पुलिस ने वाहन चालकों से अपील की है कि सड़क पर स्टंट न करें, हेलमेट पहनें और यातायात नियमों का पालन करें। थोड़ी-सी लापरवाही भी गंभीर हादसे का कारण बन सकती है।

इयूटी पर नहीं पहुंचे आरक्षक, क्वार्टर में फंदे पर मिला शव

धार। जिले के मनावर थाने में पदस्थ 47 वर्षीय आरक्षक धीरेंद्र चौहान ने मंगलवार देर रात पुलिस क्वार्टर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। आरक्षक की मौत के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, आरक्षक धीरेंद्र पिता हेमता चौहान मनावर की सज्जी मंडी स्थित पुलिस क्वार्टर की दूसरी मंजिल पर रहते थे। मंगलवार रात उनकी नाइट ड्यूटी थी, लेकिन निर्धारित समय पर वे थाने नहीं पहुंचे। इस पर थाने से आरक्षक राहुल सरकारी क्वार्टर पहुंचे। धीरेंद्र के कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। काफी प्रयास के बाद भी दरवाजा नहीं खुला तो राहुल ने खिड़की से अंदर झांककर देखा। कमरे में धीरेंद्र फंदे पर लटके हुए दिखाई दिए। घटना की जानकारी मिलते ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सूचना दी गई। पुलिस मौके पर पहुंची और मशक्कत के बाद शव को नीचे उतारा। मामले की गंभीरता को देखते हुए एफएसएल टीम को भी सूचना दी गई। बुधवार दोपहर पुलिस ने संबंधित कमरे को सील कर दिया। आरक्षक धीरेंद्र मूल रूप से अलीराजपुर जिले के ग्राम डेडरवासा, बोरी के निवासी थे।

विजय मंदिर में दशहरा मिलन

उत्सव, भव्य शोभायात्रा निकली



धार। विजय मंदिर परिसर में बुधवार को संपूर्ण सनातनी हिंदू समाज का सामूहिक दशहरा मिलन उत्सव धूमधाम से मनाया गया। धानमंडी चौराहे से निकली भव्य शोभायात्रा का शहर में जगह-जगह पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। जय श्रीराम और राजा भोज के जयकारों से वातावरण भक्तिमय हो गया। विजय मंदिर में भगवान श्रीराम के दर्शन, पूजन और आरती के बाद समाजजनों ने एक-दूसरे को पर्व की शुभकामनाएं दीं। महामंडलेश्वर स्वामी डॉ. सुमनानंद गिरि ने सनातन संस्कृति की परंपराएं बनाए रखने और संगठित रहने का संदेश दिया। जूना अखाड़ा के राष्ट्रीय सचिव श्रीमहंत रामेश्वरगिरि महाराज ने सत्य, संस्कार और सद्भाव के मार्ग पर चलने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन राजेश शुक्ला ने किया।



मेट्रो एंकर

मातगुवां के वन बैरियर पर पुलिस चेकिंग में पकड़ाया वाहन, चालक सहित दो आरोपियों पर केस

दस्तावेज नहीं, वाहन समेत डीएपी खाद की 70 बोरियां जब्त

छतरपुर। दोपहर मेट्रो

जिले में अवैध उर्वरक के परिवहन और भंडारण के मामले में मातगुवां थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। पुलिस ने पिकअप वाहन से परिवहन की जा रही डीएपी खाद की 70 बोरियां जब्त की हैं। जब्त वाहन और खाद की कुल अनुमानित कीमत 7 लाख 44 हजार 500 रुपए बताई गई है। जानकारी के अनुसार, 20 अक्टूबर को उर्वरक निरीक्षक एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी आरडी प्रजापति ने मातगुवां थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के मुताबिक, पिकअप वाहन यूपी 95 टी 9992 से डीएपी खाद की बोरियां ले जाई जा रही थीं। मातगुवां के पास वन बैरियर पर पुलिस चेकिंग के दौरान वाहन को रोका गया। उर्वरक परिवहन से संबंधित दस्तावेज नहीं देने पर वाहन को थाने लाया गया।



उर्वरक निरीक्षक ने वाहन में रखी खाद का निरीक्षण किया। खाद की गुणवत्ता और वैधता को लेकर संदेह होने पर नियमानुसार नमूना लेकर प्रयोगशाला में परीक्षण कराने की प्रक्रिया की गई। प्रत्येक बोरी में 50 किलोग्राम खाद थी। इस तरह कुल 3.5

‘हम मर जाएंगे, गाड़ी रोक दो’ ... फिर भी नहीं रुका चालक बोनट पर लटके पिता-पुत्र को 4 किमी तक घसीटा

धार। दोपहर मेट्रो

जिले के कुक्षी में ईसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। कार की टक्कर के बाद समझाने पहुंचे पिता-पुत्र को चालक ने बोनट पर लटके होने के बावजूद करीब चार किलोमीटर तक घसीटा। दोनों जान बचाने के लिए चिल्लाते रहे और चालक से गाड़ी रोकने की गुहार लगाते रहे, लेकिन आरोप है कि उसने रफ्तार और बढ़ा दी। आखिरकार ग्रामीणों ने पीछा कर लोनी फाटे के पास कार रुकवाई और दोनों की जान बचाई। घटना का वीडियो सोशल



मीडिया पर वायरल हो रहा है। पुलिस ने कार जब्त कर चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की चार धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के

अनुसार, घटना कुक्षी थाना क्षेत्र के वार्ड क्रमांक दो स्थित सुतार मोहल्ले की है। फरियादी बाबूलाल पिता भूराजी रात में पैदल अपने घर जा रहे थे। इसी दौरान कार क्रमांक एमपी-

13-जेडएल-8063 के चालक ने तेज गति और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनके पैर में टक्कर मार दी। बाबूलाल ने चालक को समझाने की कोशिश की तो आरोप है कि उसने मारपीट शुरू कर दी। इसी बीच बाबूलाल का बेटा भारत मौके पर पहुंचा और कार का फोटो खींचने लगा। तभी चालक ने अचानक गाड़ी अचानक बढ़ा दी। इससे बाबूलाल और भारत कार के बोनट पर गिर गए। इसके बाद चालक दोनों को बोनट पर लटकाए हुए तेज रफ्तार में कार दौड़ाता रहा।

मदद के लिए चिल्लाते रहे

बाबूलाल के मुताबिक, कार की रफ्तार बढ़ने पर उन्होंने चालक से कहा, ‘हम मर जाएंगे, प्लीज गाड़ी रोक दो।’ इसके बावजूद चालक ने वाहन नहीं रोक। बोनट पर लटके पिता-पुत्र मदद के लिए चिल्लाते रहे। यह खतरनाक दृश्य देखकर ग्रामीणों ने कार का पीछा किया और लोनी फाटे के पास वाहन रुकवाया। पुलिस के अनुसार, कार सवार लोग इंदौर से डही में रिश्तेदारों से मिलने आए थे और रात में वापस इंदौर लौट रहे थे।

25 अक्टूबर से तवा नहरों में छोड़ा जाएगा पानी....

चार चरणों में शुरू होगी सिंचाई, 87 प्रतिशत भरा है डेम...



नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

रबी फसलों की सिंचाई के लिए 25 अक्टूबर से तवा जलाशय की नहरों में पानी छोड़ा जाएगा। पहले चरण में हरदा जिले की नहरों से जलप्रवाह शुरू होगा। इसके बाद 27 अक्टूबर से सिवनी मालवा, 1 नवंबर से इटारसी और 5 नवंबर से सोहागपुर क्षेत्र की नहरों में पानी छोड़ा जाएगा। सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने का यह कार्यक्रम संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में तय किया गया। संभागायुक्त श्रीकांत बनोट की अध्यक्षता में हुई बैठक में नहरों के संचालन और सिंचाई व्यवस्था की समीक्षा की गई। अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पानी छोड़ने की तारीखों की गांवों में मुनादी कराई जाए। किसान संगठनों के साथ समन्वय बनाकर किसानों को समय पर जानकारी दी जाए, ताकि वे बोवनी और सिंचाई की तैयारी कर सकें। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता राजाराम मीना ने बताया कि तवा जलाशय में फिलहाल 1705 एमसीएम पानी उपलब्ध है। यह जलाशय की कुल भराव क्षमता का 87 प्रतिशत है। नहरों की साफ-सफाई का काम भी जारी है।

लाखों का स्वच्छता परिसर भ्रष्टाचार की भेंट, पांजी-पिंडरई में दरारों से घिरा शौचालय लाइट-पानी तक नहीं, 62 पंचायतों में करोड़ों का घोटाला

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

स्वच्छ भारत मिशन की पोल तेंदूखेड़ा ब्लॉक में खुल रही है। 6 साल पहले सरकार ने गांवों को खुले में शौच मुक्त करने के लिए हर पंचायत में लाखों रुपये खर्च कर सामुदायिक स्वच्छता परिसर बनवाए थे, लेकिन लाभ किसी को नहीं मिला। ब्लॉक की 62 ग्राम पंचायतों में बने अधिकांश परिसरों में ताले लटके हैं, कई बिना उपयोग के ही कंडम हो चुके हैं। एक परिसर पर 3 लाख 75 हजार रुपये खर्च हुआ है, इस हिसाब से करोड़ों रुपये बर्बाद हो गए हैं। रखरखाव न होने से लोग आज भी खुले में जाने को मजबूर हैं।



घटिया निर्माण, कोई निरीक्षण नहीं

ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत के अन्य निर्माण कार्य भी अधूरे और घटिया हैं सरपंच-सचिव राशि निकलने तक ही काम देखते हैं, बाद में पलट कर नहीं देखते। स्वच्छ भारत मिशन, 15वें वित्त और मनरेगा से 2020-21 में यह योजना एक साल में पूरी होनी थी, लेकिन कागजों में ही पूरी हुई।

पांजी-पिंडरई में खंडहर बना शौचालय

ग्राम पंचायत पांजी के आश्रित ग्राम पिंडरई में बना परिसर खंडहर में तब्दील हो रहा है। दीवारों पर बड़ी-बड़ी दरारें पड़ गई हैं, छत का प्लास्टर नीचे गिर रहा है। टाइल्स तक नहीं लगाई गईं। आज तक लाइट फिटिंग नहीं हुई, पानी के पाइप नहीं लगे और सीटें तक नहीं लगीं। 30 प्रतिशत काम आज भी अधूरा है। अंदर गंदगी पसरी हुई है, जबकि पूरी राशि निकालने का आरोप है दरारें देखकर लगता है भवन कभी भी गिर जाएगा।

चालक और खाद के भंडारण-विक्रय से जुड़े व्यक्ति पर मामला दर्ज

उर्वरक निरीक्षक की शिकायत के अनुसार, पिकअप चालक पवन सिंह चौहान निवासी गढ़ीमलहरा खाद का परिवहन कर रहा था, जबकि खाद के भंडारण एवं विक्रय के संबंध में राना सिंह परमार निवासी ऊजरा का नाम सामने आया है। पुलिस ने दोनों के विरुद्ध उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 की धारा 3 एवं 8 तथा आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 3 एवं 7 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। खाद के नमूनों की प्रयोगशाला जांच के बाद उसकी गुणवत्ता और वैधता की स्थिति स्पष्ट होगी।

खाद के नमूने जांच के लिए भेजे, दस्तावेज नहीं मिले तो 7.44 लाख कीमत की खाद जब्त

मीट्रिक टन डीएपी खाद जब्त की गई। कार्रवाई में पिकअप वाहन की अनुमानित कीमत 6 लाख 50 हजार रुपए और खाद की 70 बोरियों की कीमत 94 हजार 500 रुपए आंकी गई। दोनों की कुल कीमत 7 लाख 44 हजार 500 रुपए है।

उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में 43 फिल्मों का होगा प्रदर्शन

24-25 अक्टूबर को उज्जैन में होगा आयोजन

उज्जैन। दोपहर मेट्रो

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय और विश्व संवाद केंद्र मालवा के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय स्तर का उज्जैनी शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल 24 एवं 25 अक्टूबर को उज्जैन में आयोजित होगा। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में होने वाले इस दो दिवसीय महोत्सव के चौथे संस्करण के लिए देशभर से 232 लघु फिल्मों के साथ 8 अंतरराष्ट्रीय प्रविष्टियां प्राप्त हुई हैं। निर्णायक मंडल ने इनमें से 43 फिल्मों का प्रदर्शन के लिए चयन किया है। महोत्सव में फिल्म प्रदर्शन के साथ मास्टरक्लास और पैनल परिचर्चाएं भी होंगी। आयोजन का उद्देश्य युवा फिल्मकारों को मंच देना और भारतीय समाज, संस्कृति व समकालीन जीवन से जुड़ी कहानियों को सिनेमा के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाना है। महोत्सव में अभिनेता एवं लेखक राजेश

तैलंग, अभिनेता दिलीप लोकरे तथा अभिनेता और वॉइस ओवर आर्टिस्ट विजय विक्रम सिंह के परिचय और अनुभवों से दर्शकों एवं युवा फिल्मकारों को लाभ मिलेगा। राजेश तैलंग ने हजार चौरासी की मां, सिद्धार्थ और फेंटम जैसी फिल्मों में काम किया है। वे मिर्जापुर और बंदिश बैडिट्स जैसी वेब सीरीज में भी नजर आए हैं।

सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका पर चर्चा होगी

महोत्सव में मास्टरक्लास और परिचर्चाओं के माध्यम से कहानी कहने की कला, फिल्म निर्माण की बारीकियों और सिनेमा की सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका पर चर्चा होगी। आयोजन 24 एवं 25 अक्टूबर को सम्राट विक्रमादित्य विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में होगा। दर्शक वेबसाइट और पंजीयन लिंक पर जानकारी ले सकते हैं।

नरवा में मगरमच्छ की दस्तक से दहशत, ग्रामीणों में भय

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

वन परिक्षेत्र झलौन के अंतर्गत बदेल् हार के गुवरा घाट स्थित नरवा में पिछले एक सप्ताह से विशाल मगरमच्छ देखे जाने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। खेतों में आने-जाने वाले किसान और मजदूर नरवा किनारे जाने से कतरा रहे हैं ग्रामीणों ने बताया कि इसी स्थान पर पिछले वर्ष मगरमच्छ ने एक महिला पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। महिला का लंबे समय तक इलाज चला था और बड़ी मुश्किल से उसकी जान बच पाई थी। उसी जगह फिर मगरमच्छ दिखने से ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है ग्रामीणों के अनुसार 17 अक्टूबर, शनिवार को वन परिक्षेत्र झलौन सहित उच्च अधिकारियों को फोन और सोशल मीडिया के माध्यम से



सूचना दी गई थी, लेकिन 4 दिन बीतने के बाद भी वन विभाग का कोई कर्मचारी मौके पर नहीं पहुंचा। न ही गांव में मुनादी कराकर लोगों को सतर्क किया गया ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि तत्काल मौके पर टीम भेजकर मगरमच्छ की निगरानी की जाए और गांव में मुनादी कराई जाए, ताकि कोई अप्रिय घटना दोबारा न हो।



दम्मा (सऊदी अरब)। एजेंसी

दम्मा के किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई और आठ लोग घायल हो गए। इसके बाद सऊदी अरामको के शायबा ऑयल फील्ड पर ड्रोन हमले की कोशिश की गई। सऊदी एयर डिफेंस ने ड्रोन को नष्ट कर दिया, लेकिन उसके मलबे से लगी आग में नेपाल और फिलीपींस के एक-एक नागरिक की मौत हो गई। इस

घटना में एक भारतीय और एक पाकिस्तानी नागरिक घायल हुए हैं। लगातार हो रहे हमलों ने सऊदी अरब में सुरक्षा व्यवस्था और विदेशी कामगारों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सऊदी अरब में एक के बाद एक हमलों ने खाड़ी क्षेत्र में तनाव बढ़ा दिया है। सऊदी अरब को हूती विद्रोही लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। एयरपोर्ट से लेकर तेल ठिकाने तक बमबारी हो रही है। दम्मा सऊदी अरब के पूर्वी हिस्से में स्थित एक अहम शहर है। यहां

का किंग फहद इंटरनेशनल एयरपोर्ट खाड़ी क्षेत्र में हवाई यातायात के लिहाज से अहम है। सऊदी नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के मुताबिक, देर रात हुए हमले में एक सऊदी नागरिक की मौत हुई और आठ लोग घायल हुए। एयरपोर्ट को भी नुकसान पहुंचा। हमले के बाद कुछ विमानों को डायवर्ट किया गया है। हालांकि, अधिकारियों ने तत्काल यह स्पष्ट नहीं किया कि हमले के पीछे किसका हाथ था। माना जा रहा है कि हूती ने ही यह हमला किया है।

न्यूज विडो

बदायूं में भाजपा को बड़ा झटका: पूर्व विधायक कुशाग्र ने दिया इस्तीफा

बदायूं। बदायूं जिले में भाजपा के पूर्व विधायक कुशाग्र सागर ने आठ पन्नों का इस्तीफा देकर राजनीतिक हलचल पैदा कर दी है। 2017 के चुनाव में भाजपा की जीत का चेहरा बनने वाले कुशाग्र ने भाजपा से नाता तोड़ लिया। उनके इस्तीफे में टिकट, चुनाव और पद से ज्यादा सम्मान, उपेक्षा और संगठन में अपनी जगह को लेकर नाराजगी दिखाई दे रही है। बिसौली के एक बरातघर में समर्थकों के साथ बैठक के बाद कुशाग्र सागर ने भाजपा की प्राथमिक एवं सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा देने का निर्णय लिया। उनके सपने में जाने की चर्चा है। हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रदेश अध्यक्ष, क्षेत्रीय अध्यक्ष और जिलाध्यक्ष को संबोधित लिखित त्यागपत्र में अपने राजनीतिक सफर और पार्टी से शिकायतों का विस्तार से जिक्र किया है।

जमशेदपुर में वेंज रोल खाने को लेकर खूनी संघर्ष, चाकुबाजी में एक मौत

रांची। जमशेदपुर के आदित्यपुर में महानवमी की देर रात आदित्यपुर थाना क्षेत्र के आयडा गेट स्थित खाऊ गली में वेंज रोल खाने को लेकर शुरू हुआ मामूली विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। चाकुबाजी की इस घटना में एक युवक की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए टाटा मुख्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। जानकारी के अनुसार, मानगो निवासी शेखर तिवर्ी शिव मंदिर दुर्गा पूजा समिति के पंडाल में लाइटिंग का काम करने आया था।

मां के साथ मेला घूमने गई युवती से दरिंदगी

दरभंगा। बिहार के दरभंगा जिले के बिरोल थाना क्षेत्र में मां के साथ मेला घूमने गई एक युवती के साथ सामूहिक दुर्कर्म का मामला सामने आया है। आरोप है कि मेला में भीड़ के दौरान युवती अपनी मां से बिछड़ गई, जिसके बाद बाइक सवार तीन युवक उसे अपने साथ नेउरी गांव ले गए और उसके साथ दुर्कर्म किया। घटना के बाद आरोपी युवती को शिवनगरघाट चौक पर छोड़कर फरार हो गए। पीड़िता की मां की शिकायत पर पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर मुख्य आरोपी परबिंद सदा को गिरफ्तार कर लिया है।

चंद्रमणी कुलेठी की मौत: एक हदसे ने छीन लिया युवा कांग्रेस नेता का जीवन चंचा। कुछ घटनाएं ऐसी होती हैं, जो एक पल में जिंदगी की पूरी तस्वीर बदल देती हैं। घर में किसी का इंतजार कर रहे परिवार, भविष्य के सपने संजोता परिवार और अपने काम में जुटा एक व्यक्ति सब कुछ अचानक एक ऐसी खबर के सामने ठहर जाता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की होती। चंचा जिले की होली घाटी में युवा कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष चंद्रमणी कुलेठी के साथ हुआ हादसा भी एक ऐसी ही दुखद घटना बन गया। मुख्यमंत्री सुखचिंद सिंह सुक्खू के प्रस्तावित दौरे को लेकर होली क्षेत्र में तैयारियां चल रही थीं। चंद्रमणी कुलेठी भी इस आयोजन से जुड़ी तैयारियों में सक्रिय थे। रात के समय पोस्टर, बैनर और झंडे लगाने के दौरान वह बिजली की तारों की चपेट में आ गए। करंट लगने से उनकी मौत हो गई।

भारत ने यूएन की रिपोर्ट पर जताई कड़ी आपत्ति और बताया...

‘दाऊद इब्राहिम उसी देश में छिपा जहां लादेन मिला और मारा गया’

संयुक्त राष्ट्र। एजेंसी

संयुक्त राष्ट्र के एक विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टर) ने गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम की डी-कंपनी को भारत-आधारित अपराधिक समूह बताया गया है। इस पर भारत ने यूएन को जमकर सुनाई और इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया। भारत ने रिपोर्ट में मौजूद बड़ी गलतियों की ओर इशारा करते हुए चेतावनी दी है कि इस तरह की अक्षमता से संयुक्त राष्ट्र जैसी वैश्विक संस्था को भारी नुकसान पहुंचता है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन के प्रथम सचिव रघु पुरी ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में एक कड़ा जवाब दिया। यह जवाब आतंकवाद का मुकाबला करते हुए मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं को बढ़ावा देने और उनकी रक्षा करने के लिए नियुक्त विशेष प्रतिवेदक (स्पेशल रैपोर्टर) बेन सॉल की एक रिपोर्ट के संदर्भ में दिया गया था।



‘दाऊद तो भारत में वांटेड है’

पुरी ने डी-कंपनी को भारत-आधारित बताए जाने को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह अपराधिक संगठन और इसका सूचीबद्ध सरगना दाऊद इब्राहिम, 1993 से ही भारत में आतंकी हमलों के सिलसिले में वांछित (वांटेड) हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की अल-कायदा प्रतिबंध व्यवस्था का जिक्र करते हुए कहा, ‘ 1267 प्रतिबंध व्यवस्था के तहत सूचीबद्ध किए जाने के कारणों के विवरण में यह बात स्पष्ट रूप से लिखी गई है।’ पुरी ने कहा, ‘ इस तथ्य का उल्लेख न करना खेदजनक है।

भारत ने क्या जवाब दिया ?

पुरी ने कहा, ‘ मेरा प्रतिनिधिमंडल अन्य मंचों पर भी इस बात को उठाता रहा है कि विशेष प्रतिवेदक (रक्त) द्वारा तथ्यात्मक गलतियों वाली रिपोर्ट जारी करना और इसके लिए उन्हें जवाबदेह न ठहराया जाना, एक अस्वीकार्य स्थिति है।’ उन्होंने कहा कि इससे सदस्य देशों के सामने एक ऐसी

स्थिति आ गई है जिसे बदला नहीं जा सकता। यह एक ऐसे संघटन के लिए दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है जो पहले से ही अपनी वैधता को लेकर चुनौतियों का सामना कर रहा है। पुरी ने कहा, ‘ इस संदर्भ में मैं अपने देश से जुड़ी कुछ बहुत ही स्पष्ट गलतियों की ओर ध्यान दिलाना चाहूंगा। ’

मंत्री रेखा आर्या प्रकरण: साहू नेपाल भागा!

कोर्ट के माध्यम से आज फोरेंसिक जांच के लिए भेज सकते हैं ऑडियो

देहरादून। एजेंसी

मंत्री रेखा आर्या मामले में एसआईटी बृहस्पतिवार को ऑडियो को न्यायालय के माध्यम से फॉरेंसिक लेब भेज सकती है। इसके लिए दस्तावेजी कार्रवाई पूरी कर ली गई है। फिलहाल पुलिस गिरधारी लाल साहू की गिरफ्तारी के लिए साक्ष्य एकत्र करने में लगी है। बताया जा रहा है कि साहू के नेपाल भागने की भी आशंका है। गौरतलब है कि पिछले सप्ताह मंत्री रेखा आर्या ने पति गिरधारी लाल साहू के खिलाफ कैट थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। आरोप है कि साहू शादी के बाद से ही



पंजाब रोडवेज का चक्का जाम: विधानसभा और सीएम ऑफिस करेंगे कूच

चंडीगढ़। एजेंसी

पंजाब सरकार की पंजाब रोडवेज, पनबस और पीआरटीसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के साथ बैठक बेनतीजा रही जिस कारण यूनियन की हड़ताल मांगें पूरी होने तक जारी रहेगी। यूनियन के चक्का जाम के कारण दो हजार बसों के पहिण थम गए। यूनियन ने सीएम आवास और पंजाब विधानसभा की तरफ कूच करने का फैसला लिया है। यूनियन आउटसोर्स कर्मियों को अनुबंध पर लाने, अनुबंध कर्मियों पर नियमित करने, पिछले ऑडोलन के दौरान कर्मियों पर दर्ज केस वापस लेने और विभाग में नई बसें खरीदने की मांग को लेकर संघर्ष कर रही है। अगली बैठक 29 अक्टूबर को तय की गई है।

मेट्रो एंकर कटड़ा में उत्सव का माहौल, इस वर्ष एक करोड़ श्रद्धालुओं के पहुंचने उम्मीद

रिकॉर्ड: नवरात्रि में चार लाख से अधिक श्रद्धालु पहुंचे वैष्णोधाम

कटड़ा। एजेंसी

माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए भारी भीड़ देखी जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि 11 अक्टूबर से शुरू हुए शारदीय नवरात्र में अब तक करीब चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। ये पिछले साल के आंकड़ों से अधिक है। माता वैष्णो देवी के दर्शन के लिए भारी भीड़ देखी जा रही है। अधिकारियों ने सोमवार को बताया कि 11 अक्टूबर से शुरू हुए शारदीय नवरात्र में अब तक करीब चार लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। ये पिछले साल के आंकड़ों से अधिक है। ये भी उम्मीद लगाई जा रही है कि इस पूरे वर्ष में श्रद्धालुओं का आंकड़ा एक करोड़ पहुंच सकता है। वहीं भवन परिसर में शतचंडी महायज्ञ में भी श्रद्धालु उत्साह से हिस्सा ले रहे हैं।



48,400, 13 अक्टूबर को 46,558, 14 अक्टूबर को 41,961 और 15 अक्टूबर को 39,951 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। 16 अक्टूबर को 41,750 श्रद्धालु पहुंचे, जबकि 17 अक्टूबर को 48,500 श्रद्धालुओं ने माथा टेका और 18 अक्टूबर को 47,700 श्रद्धालुओं ने यात्रा के लिए पंजीकरण कराया। सोमवार को रात 10 बजे तक 32,400 से अधिक श्रद्धालु पंजीकरण करवाकर भवन की ओर रवाना हो चुके हैं। इसके बाद पंजीकरण केंद्र बंद कर दिया गया था। इसके बाद भी देशभर के विभिन्न राज्यों से श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला जारी रहा। नवरात्र के दौरान श्रद्धालुओं की निरंतर आमद से कटड़ा में धार्मिक उत्सव की रौनक बनी हुई है।

कानपुर में युवक की बेरहमी से हत्या

कार की छत पर लिटाकर 1.5 किमी तक घुमाया, फिर कुचलकर मार डाला

कानपुर। एजेंसी

हनुमंत विहार में दशहरा मेला देखकर लौट रहे युवक की रंजिश में बेरहमी से हत्या कर दी गई। आरोप है कि हमलावरों ने पहले कार से टक्कर मारकर उसे गिराया, फिर कार की छत पर लिटाकर उसके दोनों हाथ खिड़कियों के शीशों में फंसाकर लाक कर दिए और करीब डेढ़ किमी तक तेज रफ्तार में कार दौड़ाते रहे। इसके बाद एक ट्रेडिंग कंपनी के पास उसे फेंककर कार से कुचलते हुए भाग निकले, जिससे उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद शव घर पहुंचने पर स्वजन ने हत्या का मुकदमा दर्ज करने और आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा किया, जिस पर पुलिस ने हत्या की धारा बढ़ाने का आश्वासन देकर शांत कराया। घटना के फूटने भी सामने आए हैं। पुलिस आरोपितों की तलाश कर रही है। हनुमंत विहार



के अर्रा रोड निवासी 37 वर्षीय बीरू सिंह भदौरिया सब्जी मसाले बनाने वाली कंपनी में सेल्समैन थे। परिवार में पत्नी रीना और बेटियां व एक बेटा है। पिता राम शंकर सिंह ने बताया कि सोमवार को बीरू का खाड़ेपुर नई बस्ती निवासी राजवीर और मेवालाल से विवाद हुआ था। आरोप है कि दशहरा मेला देखकर लौटते समय मेवालाल ने अपनी कार से बीरू को पीछे से टक्कर मार दी। सड़क पर गिरने के बाद राजवीर और साथियों ने उसके साथ मारपीट की। इसके बाद उसे कार की छत पर लिटाकर दोनों हाथ खिड़कियों के शीशों में फंसा दिए।

हरियाणा में बिजली कर्मियों की हड़ताल

छुट्टी से 25 अधिकारी-कर्मचारी वापस बुलाए, चार राज्यों से मांगे कर्मचारी

चंडीगढ़। एजेंसी

गुरुग्राम व नूंह में निजी कंपनी इलेवन पावर को बिजली वितरण का लाइसेंस देने पर हरियाणा में आर-पार की जंग छिड़ गई है। फैसले के विरोध में बुधवार रात 10 बजे से बिजलीकर्मियों की तीन दिवसीय हड़ताल शुरू हो गई। करीब 40 हजार कर्मचारियों के रोजगार पर संकट के बीच सरकार ने छुट्टी पर गए 25 अधिकारियों-कर्मचारियों को तत्काल ड्यूटी पर लौटने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व राजस्थान से तकनीकी स्टाफ मांगा गया है। हड़ताल में शामिल होने या दूसरे कर्मचारियों को ड्यूटी से रोकने पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। इस बीच मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी,



ऊर्जा मंत्री अनिल विज और वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक में हरियाणा विद्युत विनियामक आयोग (एचईआरसी) के फैसले के खिलाफ कानूनी मोर्चा खोलने का निर्णय लिया गया। सीएम सैनी ने कहा कि सरकार कर्मचारियों के साथ है। सरकार आयोग के आदेश पर स्टे लेने के साथ पांच दिन के भीतर विद्युत अपीलीय न्यायाधिकरण में अपील दायर करने की तैयारी करेगी।

उत्तरकाशी: भैया दूज पर शीतकाल के लिए बंद होंगे यमुनोत्री धाम के कपाट, तय हुआ शुभ मुहूर्त

बड़कोट(उत्तरकाशी)। एजेंसी

प्रसिद्ध यमुनोत्री धाम के कपाट 11 नवंबर को भैया दूज के पावन पर्व पर शीतकाल के लिए बंद कर दिए जाएंगे। कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त सुबह 10 बजकर 28 मिनट तय किया गया है। अनुराधा नक्षत्र और सौम्य धनु लग्न में विधि-विधान के साथ कपाट बंद किए जाएंगे। विजयदशमी के पर्व पर यमुनोत्री धाम में मंदिर समिति और पुरोहित समाज की मौजूदगी में बैठक हुई। बैठक में पंचांग और धार्मिक परंपराओं के अनुसार कपाट बंद करने का शुभ मुहूर्त निकाला गया। इसके साथ ही यमुनोत्री धाम के शीतकाल के लिए बंद होने की तिथि भी निर्धारित हो गई है। यमुनोत्री धाम चारधाम यात्रा के प्रमुख पड़ावों में शामिल है। हर साल बड़ी संख्या में श्रद्धालु मां यमुना के दर्शन के लिए यहां पहुंचते हैं। शीतकाल शुरू होने के साथ ही धाम के कपाट परंपरागत रूप से बंद कर दिए जाते हैं। इसके बाद मां यमुना की पूजा-अर्चना शीतकालीन प्रवास स्थल पर की जाती है।